हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार 19 जुलाई 2026

तापमान
अधिकतम 40.4°C
न्यूनतम 25.4°C

9 किसानों के धरने को भाकियू का समर्थन

10 महिला सशक्तिकरण को साधने का लक्ष्य

खबर संक्षेप

तहसील परिसर में चैंबर की फाइलों में लगी आग

खरखौदा। तहसील परिसर खरखौदा में शनिवार को संदिग्ध परिस्थितियों में एक चैंबर में आग लग गई। हादसे में ड्राइविंग लाइसेंस, आरसी और अन्य दस्तावेजों से जुड़ी करीब 15 से 20 फाइलें जलकर राख हो गईं। मंडोरा गांव निवासी सतीश कुमार तहसील परिसर में लाइसेंस, आरसी और अन्य दस्तावेज तैयार कराने का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर जब वह चैंबर पहुंचे तो बाहर लगी ईंट टूटी हुई थी और अंदर रखी फाइलों को दरवाजे के पास डालकर आग लगाई गई थी। उन्होंने तुरंत डायल-112 पर सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। प्रारंभिक जांच में मामला फाइलों को नुकसान पहुंचाने की नीयत से आग लगाने का लग रहा है।

अटल सेवा केंद्र से 20 हजार की नकदी चोरी

खरखौदा। शहर के रोहतक मार्ग स्थित जांगड़ा अटल सेवा केंद्र में देर रात चोरों ने वारदात को अंजाम देकर 20 हजार रुपये से अधिक की नकदी चोरी कर ली। केंद्र में सरकारी सेवाओं के साथ मनी ट्रांसफर का कार्य भी किया जाता है। शनिवार सुबह केंद्र संचालक को चोरी की जानकारी मिली, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। पुलिस ने आरोपियों को जल्द पकड़ने का दावा किया है।

बिजली-पानी संकट पर भड़के लोग, शहर में तीन जगह जाम

रातभर बिजली गुल रहने से गुस्साए लोगों ने सड़कें कब्जाई, मेयर के आश्वासन पर जाम खुला, कई कॉलोनियों में पेयजल संकट भी गहराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

बिजली और पेयजल संकट से परेशान शहरवासियों का गुस्सा शनिवार को सड़कों पर फूट पड़ा। सोनीपत में अलग-अलग स्थानों पर लोगों ने जाम लगाकर विरोध जताया। वेस्ट रामनगर, विशाल नगर और ब्रह्म नगर में लोगों ने बिजली आपूर्ति बहाल करने और पेयजल संकट दूर करने की मांग उठाई। करीब दो घंटे से अधिक समय तक चले विरोध के बाद नगर निगम मेयर राजीव जैन और बिजली विभाग के अधिकारियों के आश्वासन पर जाम खोला गया। बढ़ती उमस और गर्मी के बीच बिजली कटौती से परेशान वेस्ट रामनगर और विशाल नगर की गली नंबर-3 व 4 के लोगों ने सुबह करीब 8 बजे सूरी पेट्रोल पंप वाली गली में जाम लगा दिया। लोगों का आरोप था कि चार दिन से अघोषित बिजली कटौती और कम वोल्टेज की समस्या बनी हुई है। रातभर बिजली नहीं आने से पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हो गई। वहीं ब्रह्म नगर में सुबह करीब साढ़े 9 बजे लोग सड़क पर उतर आए और बिजली-पानी की समस्या को लेकर जाम लगाया। इसके अलावा विशाल नगर की गली नंबर-8 में केबल जलने और चिंगारियां घरों तक पहुंचने के बाद लोगों ने शाम को सड़क जाम कर रोष जताया। लोगों ने आरोप लगाया कि शिकायतों के बावजूद बिजली विभाग के अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे। कई स्थानों पर तारों के पिघलने और तकनीकी खराबी के कारण आपूर्ति बाधित रही। जाम की सूचना मिलने के बाद मेयर राजीव जैन, बिजली निगम के अधिकारी और पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने खराब केबल और तकनीकी खामियों को जल्द दूर करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद लोगों ने जाम खोल दिया।

सूरी पेट्रोल पंप वाली गली में रास्ता रोककर बैठी महिलाएं व पुरुष

आधा दर्जन से ज्यादा कॉलोनियों में गहराया पेयजल संकट

लाइन पार क्षेत्र में देर रात से बिजली आपूर्ति बाधित होने से करीब आधा दर्जनभर से ज्यादा कॉलोनियों में पेयजल संकट गहराया हुआ है। बिजली के अभाव में भगत सिंह कॉलोनी, गोदाम वाले क्षेत्र, आरओ वाले क्षेत्र, बाबा कॉलोनी, औद्योगिक क्षेत्र, गांव कालूपुर, धर्म नगर, गांव लहराड़ा में पेयजल संकट गहराया रहा। लोगों के बार-बार शिकायत करने के बावजूद उन्हें बिजली आने के बाद ही पेयजल आपूर्ति का आश्वासन दिया गया। इसके अलावा वेस्ट रामनगर की वेदवाटिका, 3 नलके वाली गली में बिजली के अभाव में पूरा दिन पेयजल आपूर्ति बाधित रही। उधर पाइपलाइन में कार्य के चलते शास्त्री कॉलोनी, इंडियन कॉलोनी, लक्ष्मी नगर में शनिवार देर रात तक पेयजल आपूर्ति नहीं की गई।

कथूरा में ग्रामीणों ने बिजलीघर पर लगाया ताला

गोहाना। अघोषित बिजली कटौती से परेशान गांव कथूरा के ग्रामीणों ने शुक्रवार रात बिजलीघर पर ताला लगाकर धरना शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने बिजलीघर से जुड़े गांवों की आपूर्ति भी बंद करा दी, जिससे करीब पांच घंटे तक कई गांवों में बिजली बाधित रही। शनिवार तड़के करीब साढ़े तीन बजे अधिकारियों के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने ताला खोलकर धरना समाप्त किया। ग्रामीणों का कहना था कि गांव म्हारा गांव जगमग गांव योजना में शामिल है, जिसके तहत 21 घंटे बिजली आपूर्ति का दावा किया गया था, लेकिन पिछले कई दिनों से

वोट मांगते समय जोड़े थे हाथ, बिजली-पानी मांगने पर युवती को थप्पड़ मारने का आरोप

सूरी पेट्रोल पंप वाली गली में विवाद के बाद वीडियो वायरल

सोनीपत। कालूपुर क्षेत्र में बिजली कटौती के विरोध में लगाए गए जाम के दौरान शनिवार को हंगामा हो गया। सूरी पेट्रोल पंप वाली गली में प्रदर्शन कर रहे लोगों और नगर निगम पार्षद के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि इसी दौरान महिला पार्षद सुनीता ने एक युवती को थप्पड़ मार दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। जानकारी के अनुसार, बिजली आपूर्ति बाधित होने से परेशान लोगों ने सूरी पेट्रोल पंप वाली गली में जाम लगाया था। पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर जाम खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन प्रदर्शनकारी बिजली अधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे। इसी दौरान नगर निगम पार्षद सुनीता भी मौके पर पहुंचीं। बातचीत के दौरान विवाद बढ़ गया और आरोप है कि पार्षद ने एक युवती को थप्पड़ मार दिया। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि तीन माह पहले चुनाव के दौरान पार्षद ने जिन लोगों से हाथ जोड़कर वोट मांगे थे, आज मूलभूत सुविधाओं की मांग करने पर उन्हीं के परिवार की युवती के साथ ऐसा व्यवहार किया गया। परिवार ने पार्षद पर धमकी देने का भी आरोप लगाया और पुलिस से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। परिवार का आरोप है कि शिकायत लेकर थाने पहुंचने पर उन्हें उचित सहयोग नहीं मिला। वहीं पुलिस पर पार्षद के पक्ष में रवैया अपनाने का भी आरोप लगाया गया। हालांकि बाद में दोनों पक्षों में समझौता होने की बात सामने आई।

मेयर ने संभाला मोर्चा, जल्द समाधान का आश्वासन

बिजली और पेयजल संकट को लेकर वेस्ट रामनगर, विशाल नगर और दहिया कॉलोनी क्षेत्र के लोगों के प्रदर्शन के बाद नगर निगम मेयर राजीव जैन मौके पर पहुंचे। उनके साथ पुलिस अतिरिक्त आयुक्त राजदीप मोर और बिजली निगम के अधिकारी भी मौजूद रहे। मेयर ने क्षेत्र का दौरा कर बिजली व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान कई स्थानों पर अधिक लोड के कारण बिजली के तार पिघले हुए मिले और तीन ट्रांसफार्मरों के फ्यूज में तकनीकी खामी सामने आई। उन्होंने बिजली निगम अधिकारियों को खराब केबल बदलने और तकनीकी समस्याओं का तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए। ब्रह्म नगर में भी बिजली-पानी की समस्या को लेकर लोगों ने रोहतक रोड पर जाम लगाया था। बाद में आश्वासन पर जाम खोल दिया।

रात को ब्रह्मनगर के लोग फिर भड़के, सड़क कब्जाई

ब्रह्मनगर के लोगों का आक्रोश शनिवार रात एक बार फिर सड़क पर दिखाई दिया। सुबह प्रदर्शन और जाम के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने पर क्षेत्रवासियों ने रात करीब आठ बजे दोबारा रोहतक रोड पर जाम लगा दिया। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि सुबह अधिकारियों ने जल्द समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन देर शाम तक बिजली व्यवस्था सामान्य नहीं हो सकी। रात करीब दस बजे विधायक निखिल मदान मौके पर पहुंचे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से बातचीत कर जल्द बिजली आपूर्ति सुचारु कराने का भरोसा दिलाया, जिसके बाद लोगों ने जाम समाप्त कर दिया

रेवली के पास अनियंत्रित होकर पलटा ऑटो, शिक्षक समेत छह लोग घायल

■ तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप, हादसे के बाद चालक फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

गांव रेवली के पास तेज रफ्तार ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में सरकारी शिक्षक समेत ऑटो में सवार छह यात्री घायल हो गए। घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर मुरथल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल शिक्षक की शिकायत पर अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। राजीव कॉलोनी निवासी मोहित बत्रा ने पुलिस को बताया कि वह सरकारी स्कूल में शिक्षक हैं और समालखा में कार्यरत हैं। ड्यूटी खत्म होने के बाद वह मुरथल चौक से सोनीपत आने के लिए ऑटो में सवार हुए थे। ऑटो में उनके अलावा पांच अन्य यात्री भी मौजूद थे। मोहित ने आरोप लगाया कि चालक तेज गति और लापरवाही से ऑटो चला रहा था। यात्रियों के मना करने के बावजूद उसने रफ्तार कम नहीं की। गांव रेवली के पास चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और ऑटो सड़क पर पलट गया। हादसे में सभी छह यात्रियों को चोटें आईं। आसपास के लोगों ने घायलों को निजी अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

विशेष लोक अदालत में 71 चेक बाउंस मामलों का निपटारा

सोनीपत। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर शनिवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष के नेतृत्व में सोनीपत, गोहाना, गन्नौर और खरखौदा न्यायालय परिसर में चेक बाउंस मामलों के निपटारे के लिए विशेष लोक अदालत आयोजित की गई। इसकी निगरानी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रचेता सिंह ने की। लोक अदालत में लंबित चेक बाउंस मामलों और संबंधित अपीलों का आपसी समझौते के आधार पर निस्तारण किया गया। इस दौरान कुल 71 मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा हुआ और लगभग 1.51 करोड़ रुपये से अधिक राशि के विवादों का समाधान हुआ।

हेरोइन तस्करी मामले में दूसरा आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। क्राइम यूनिट कुंडली पुलिस ने हेरोइन तस्करी के मामले में दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान साहिल निवासी मयूर विहार, सोनीपत के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। पुलिस के अनुसार, 19 जून 2026 को क्राइम यूनिट कुंडली को सूचना मिली थी कि गांव सिसाना निवासी दीपक हेरोइन की सप्लाई करने जा रहा है।

■ पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया

सूचना के आधार पर टीम ने बवाना-खरखौदा रोड स्थित सैदपुर गौशाला के पास नाकाबंदी कर दीपक को मोटरसाइकिल समेत पकड़ लिया था। राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में तलाशी लेने पर उसके बैग से 280 ग्राम हेरोइन बरामद हुई थी। इस मामले में थाना खरखौदा में मादक पदार्थ निरोधक अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने पहले दीपक को गिरफ्तार किया था। अब मामले की जांच आगे बढ़ाते हुए साहिल को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की जा रही है।

किशोरी को भगाने के आरोपी की जमानत याचिका चौथी बार खारिज

सोनीपत। नाबालिग लड़की को शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में आरोपी त्रिलोक सिंह को अदालत से राहत नहीं मिली। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक कोर्ट) डॉ. जसबीर सिंह ने आरोपी की नियमित जमानत के लिए दायर चौथी अर्जी को खारिज कर दिया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि मामले की परिस्थितियों में ऐसा कोई नया बदलाव सामने नहीं आया है, जिसके आधार पर आरोपी को जमानत दी जा सके। साथ ही अदालत ने गवाहों को प्रभावित किए जाने की आशंका को भी ध्यान में रखा। अभियोजन के अनुसार, राई थाना क्षेत्र में 26 नवंबर 2023 को दर्ज मामले में आरोप है कि शिकायतकर्ता की नाबालिग बेटी को शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाकर ले जाया गया था। जांच के दौरान युवती को बरामद कर उसका न्यायालय में बयान दर्ज कराया गया। मामले में उत्तराखंड के पिथौरागढ़ निवासी त्रिलोक सिंह को 12 जनवरी 2025 को गिरफ्तार किया गया था। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने आरोपी के लंबे समय से न्यायिक हिरासत में होने और जांच पूरी होने का हवाला देते हुए जमानत देने की मांग की। वहीं अभियोजन पक्ष ने दलील दी कि पीड़िता और अन्य महत्वपूर्ण गवाहों के बयान अभी दर्ज होने बाकी हैं, ऐसे में आरोपी की रिहाई से गवाह प्रभावित हो सकते हैं। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने जमानत अर्जी खारिज कर दी।

■ फास्ट ट्रैक कोर्ट ने कहा- परिस्थितियों में नहीं आया कोई बदलाव, गवाहों को प्रभावित करने की आशंका

मिड या स्मॉल-कैप फंड: 10 साल में किसने दिखाया दम

दोनों श्रेणियों ने दिया शानदार रिटर्न, लेकिन जोखिम और उतार-चढ़ाव में मिड-कैप

दोनों का निफ्टी-50 से बेहतर रहा प्रदर्शन

- सिर्फ ज्यादा रिटर्न पर न करें फैसला, पहले जोखिम व वोलैटिलिटी भी समझें
- स्मॉल-कैप ने बेंचमार्क को पीछे छोड़ा, मिड-कैप कम जोखिम संग बेहतर
- विशेषज्ञ बोले, गिरावट से घबराने के बजाय विविधीकृत पोर्टफोलियो अपनाएं
- दोनों फंडों में संपत्ति बनाने की क्षमता, लेकिन क्षमता के अनुसार करें फैसला
- विविधीकरण और लंबी अवधि बेहतर रिटर्न दिलाने की सबसे कारगर रणनीति

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले अधिकांश निवेशकों के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है कि लंबी अवधि के लिए मिड-कैप फंड चुनें या स्मॉल-कैप फंड। दोनों श्रेणियों ने पिछले एक दशक में शानदार रिटर्न दिए हैं और निवेशकों की संपत्ति में उल्लेखनीय वृद्धि की है। हालांकि, सिर्फ रिटर्न देखकर निवेश का फैसला करना सही नहीं होता। किसी भी निवेश विकल्प का चयन करते समय उसके जोखिम, उतार-चढ़ाव, निवेश अवधि और वित्तीय लक्ष्य को भी ध्यान में रखना जरूरी है। एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले 10 वर्षों में मिड-कैप और स्मॉल-कैप दोनों श्रेणियों ने लंबी अवधि के निवेशकों को आकर्षक रिटर्न दिया है। जहां स्मॉल-कैप फंड का औसत 10 वर्षीय वार्षिक रिटर्न (सीएजीआर) 16.69 प्रतिशत रहा, वहीं मिड-कैप फंड ने 16 प्रतिशत का औसत रिटर्न दिया। यानी दोनों के बीच रिटर्न का अंतर बहुत अधिक नहीं है, लेकिन जोखिम और प्रदर्शन के तरीके में स्पष्ट अंतर दिखाई देता है।

स्मॉल-कैप ने बेंचमार्क को पछाड़ा

आंकड़ों के अनुसार, स्मॉल-कैप फंड अपने बेंचमार्क बीएसई 250 स्मॉलकैप टोटल रिटर्न इनडेक्स से बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहे। दूसरी ओर, मिड-कैप फंड अपने बेंचमार्क बीएसई 150 मिडकैप टोटल रिटर्न इनडेक्स से थोड़ा पीछे रहे। इससे यह संकेत मिलता है कि स्मॉल-कैप फंड मैनेजरों ने बेहतर स्टॉक चयन के जरिए अतिरिक्त रिटर्न (अल्फा) बनाने में सफलता हासिल की। 10 वर्षों के प्रदर्शन में निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप डायरेक्ट, क्वांट स्मॉल कैप, एक्सिस स्मॉल कैप और एसबीआई स्मॉल कैप जैसे फंड शीर्ष प्रदर्शनकर्ताओं में शामिल रहे। वहीं मिड-कैप श्रेणी में इनवेस्को इंडिया मिड कैप, एडलवाइस मिड कैप, निप्पॉन इंडिया ग्रोथ और कोटक मिडकैप फंड ने बेहतरीन प्रदर्शन किया।

रिटर्न के साथ जोखिम भी समझें

अक्सर निवेशक केवल अधिक रिटर्न देखकर निवेश कर देते हैं, जबकि वास्तविक तस्वीर जोखिम के आंकड़ों से सामने आती है। पिछले तीन वर्षों के आंकड़ों के अनुसार, स्मॉल-कैप फंड का स्टैंडर्ड डिविएशन 20.33 प्रतिशत रहा, जबकि मिड-कैप फंड का यह आंकड़ा 17.88 प्रतिशत था। इसका मतलब है कि स्मॉल-कैप फंड में कीमतों का उतार-चढ़ाव ज्यादा रहा और इनमें निवेश करने वालों को अधिक अस्थिरता का सामना करना पड़ा। इसी तरह जोखिम के मुकाबले मिलने वाले रिटर्न को मापने वाले शार्प रेशियो में भी मिड-कैप फंड आगे रहे। मिड-कैप फंड का शार्प रेशियो 0.79 रहा, जबकि स्मॉल-कैप फंड का 0.69। इसका अर्थ है कि मिड-कैप फंड ने अपेक्षाकृत कम जोखिम लेकर बेहतर जोखिम-समायोजित रिटर्न दिया। हालांकि दोनों श्रेणियों का सॉर्टिनो रेशियो समान रहा, जिससे स्पष्ट होता है कि डाउनसाइड जोखिम को ध्यान में रखने पर दोनों का प्रदर्शन लगभग बराबर रहा।

लंबी अवधि के निवेशकों को मिला फायदा : विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले 10 वर्षों की सबसे बड़ी सीख यही है कि जिन्होंने बाजार की गिरावट के दौरान घबराकर निवेश नहीं निकाला और लंबे समय तक निवेश बनाए रखा, उन्हें दोनों श्रेणियों में शानदार रिटर्न मिला। बाजार में गिरावट हर चक्र का सामान्य हिस्सा है और इसे निवेश यात्रा का स्वाभाविक चरण माना जाना चाहिए। मिड-कैप और स्मॉल-कैप फंड को केवल अधिक उतार-चढ़ाव के कारण नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। लंबी अवधि में दोनों श्रेणियों ने निफ्टी 50 से बेहतर प्रदर्शन किया है और निवेशकों के लिए अच्छी संपत्ति बनाने की क्षमता दिखाई है।

विविधीकरण सबसे बेहतर रणनीति

विशेषज्ञों का कहना है कि पूरे निवेश को केवल स्मॉल-कैप या केवल मिड-कैप में लगाना समझदारी नहीं है। बेहतर रणनीति यह है कि निवेशकों का पोर्टफोलियो सभी मार्केट कैप में संतुलित रूप से विभाजित हो। उदाहरण के तौर पर यदि किसी निवेशक के 10 लाख रुपये पूरी तरह स्मॉल-कैप फंड में लगे हों और बाजार में गिरावट आए, तो पूरे पोर्टफोलियो पर उसका असर पड़ेगा। जबकि यदि पोर्टफोलियो में लगभग 55 प्रतिशत लार्ज-कैप, 23 प्रतिशत मिड-कैप और 22 प्रतिशत स्मॉल-कैप का संतुलित निवेश हो, तो बाजार की गिरावट का प्रभाव काफी कम हो सकता है। यही कारण है कि वित्तीय योजनाकार हमेशा विविधीकरण को सफल निवेश की सबसे महत्वपूर्ण रणनीति मानते हैं।

किस निवेशक के लिए कौन सा फंड?

यदि आपकी निवेश अवधि 7 से 10 वर्ष या उससे अधिक है और आप बाजार के उतार-चढ़ाव को सहन कर सकते हैं, तो स्मॉल-कैप फंड आपके पोर्टफोलियो में बेहतर वृद्धि की संभावना जोड़ सकते हैं। वहीं यदि आप अच्छा रिटर्न चाहते हैं लेकिन अपेक्षाकृत कम जोखिम लेना पसंद करते हैं, तो मिड-कैप फंड अधिक उपयुक्त विकल्प हो सकते हैं। पहली बार निवेश करने वालों के लिए भी सलाह दी जाती है कि वे सीधे स्मॉल-कैप में बड़ी राशि लगाने के बजाय लार्ज-कैप और मिड-कैप के साथ सीमित हिस्सेदारी स्मॉल-कैप में रखें।

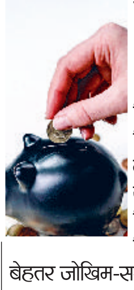

एसआईपी धन सृजन का सबसे प्रभावी तरीका

पिछले 10 वर्षों का रिकॉर्ड बताता है कि मिड-कैप और स्मॉल-कैप दोनों श्रेणियों ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। जहां स्मॉल-कैप फंड ने थोड़ा अधिक रिटर्न और बेहतर अल्फा दिया, वहीं मिड-कैप फंड ने कम उतार-चढ़ाव और बेहतर जोखिम-समायोजित प्रदर्शन के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई। निवेशकों को केवल अधिक रिटर्न के आकर्षण में निर्णय लेने के बजाय अपने वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर पोर्टफोलियो तैयार करना चाहिए। नियमित एसआईपी, लंबी अवधि का नजरिया और विविधीकृत निवेश रणनीति ही धन सृजन का सबसे प्रभावी तरीका साबित हो सकती है।

बहुत ज्यादा एसआईपी से नहीं, सही रणनीति से बनेगी दौलत

नया म्यूचुअल फंड जोड़ने से पहले जांचें कि वास्तव में जरूरत है या नहीं

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में बढ़ती जागरूकता के साथ म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बड़ी संख्या में निवेशक हर महीने सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश कर रहे हैं। अक्सर यह धारणा बन जाती है कि जितने अधिक म्यूचुअल फंड होंगे, उतना ही बेहतर रिटर्न मिलेगा और जोखिम कम होगा। लेकिन निवेश विशेषज्ञों का कहना है कि यह सोच हमेशा सही नहीं होती। कई बार जरूरत से ज्यादा फंड रखने से पोर्टफोलियो में एक जैसी कंपनियों का दोहराव बढ़ जाता है, जिससे वास्तविक विविधीकरण नहीं हो पाता और निवेश का उद्देश्य भी प्रभावित हो सकता है।

फंडों की संख्या नहीं, गुणवत्ता और उद्देश्य है महत्वपूर्ण

विशेषज्ञों के अनुसार, किसी निवेशक के लिए कितनी एसआईपी या कितने म्यूचुअल फंड होने चाहिए, इसका कोई तय नियम नहीं है। यह पूरी तरह निवेश राशि, वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम उठाने की क्षमता पर निर्भर करता है। यदि कोई निवेशक हर महीने 10 से 15 हजार रुपये की एसआईपी करता है, तो उसके लिए चार से छह अच्छे म्यूचुअल फंड पर्याप्त हो सकते हैं। वहीं, 40 से 50 हजार रुपये या उससे अधिक की मासिक एसआईपी करने वाले निवेशक आठ से दस फंड तक रख सकते हैं। हालांकि, इन फंडों का चयन अलग-अलग श्रेणियों और अलग-अलग एसेट मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसी) से होना चाहिए, ताकि पोर्टफोलियो में वास्तविक विविधीकरण बना रहे।

ओवर-डाइवर्सिफिकेशन से भी हो सकता है नुकसान

निवेश में विविधीकरण जरूरी है, लेकिन जरूरत से ज्यादा विविधीकरण नुकसानदेह भी हो सकता है। यदि किसी निवेशक के कई फंड एक ही तरह की कंपनियों में निवेश करते हैं, तो फंडों की संख्या बढ़ने के बावजूद जोखिम कम नहीं होता। उदाहरण के लिए यदि किसी निवेशक के पास 10 इक्विटी फंड हैं और अधिकांश फंड एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक जैसी बड़ी कंपनियों में ही निवेश करते हैं, तो अलग-अलग स्कीम होने के बावजूद वास्तविक निवेश लगभग समान रहेगा। ऐसे में पोर्टफोलियो केवल दिखने में बड़ा होगा, लेकिन उसमें नई विविधता नहीं जुड़ेगी।

पोर्टफोलियो ओवरलैप पर रखें नजर

म्यूचुअल फंड चुनते समय सबसे महत्वपूर्ण बात पोर्टफोलियो ओवरलैप होती है। इसका अर्थ है कि दो अलग-अलग फंडों में कितनी समान कंपनियां शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि दो फंडों के बीच 20 से 30 प्रतिशत तक ओवरलैप है, तो इसे सामान्य माना जा सकता है। लेकिन यदि यह 40 से 50 प्रतिशत या उससे अधिक हो जाए, तो निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करनी चाहिए। अधिक ओवरलैप का मतलब है कि अलग-अलग फंड रखने के बावजूद निवेश लगभग एक जैसी कंपनियों में ही हो रहा है।

हर नया एनएफओ खरीदना जरूरी नहीं

कई निवेशक बाजार में आने वाले हर नए म्यूचुअल फंड ऑफर (एनएफओ) में निवेश कर देते हैं। उन्हें लगता है कि नया फंड भविष्य में बेहतर रिटर्न देगा। जबकि वास्तविकता यह है कि किसी भी एनएफओ में निवेश करने से पहले उसकी निवेश रणनीति, उद्देश्य और मौजूदा पोर्टफोलियो से उसका अंतर समझना जरूरी है। यदि नया फंड वही काम कर रहा है जो पहले से मौजूद फंड कर रहे हैं, तो उसमें निवेश करना केवल दोहराव बढ़ाएगा।

संतुलित एसेट एलोकेशन है सफलता की कुंजी

विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि निवेशकों को बाजार की तेजी या गिरावट देखकर फैसले लेने से बचना चाहिए। इसके बजाय लक्ष्य आधारित निवेश रणनीति अपनानी चाहिए। इक्विटी पोर्टफोलियो में लगभग 55 प्रतिशत निवेश लार्ज कैप, 25 प्रतिशत मिड कैप और 20 प्रतिशत स्मॉल कैप फंड में रखने से संतुलन बनाया जा सकता है। इसके साथ ही जरूरत के अनुसार डेट फंड या अन्य परिसंपत्तियों में भी निवेश रखना चाहिए, ताकि बाजार में उतार-चढ़ाव का प्रभाव कम हो।

निवेशकों को मिला बड़ा फायदा

5 वर्ष में 101 इक्विटी फंड्स ने दोगुना किया निवेश

- 310 में से हर तीसरे फंड ने दिया 100% से अधिक रिटर्न
- चार स्कीमों ने सिर्फ तीन साल में किया कमाल
- पुराने रिटर्न देखकर निवेश न करें, सेक्टोरल फंड्स में लें एंट्री

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में पिछले दो वर्षों के उतार-चढ़ाव के बावजूद लंबी अवधि में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले पांच वर्षों में 310 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में से 101 फंड्स ने निवेशकों का पैसा दोगुना या उससे अधिक कर दिया। यानी हर तीन में से लगभग एक इक्विटी फंड ने 100 फीसदी से ज्यादा एब्सोल्यूट रिटर्न दिया। इतना ही नहीं, चार म्यूचुअल फंड ऐसे भी रहे जिन्होंने केवल तीन वर्षों में ही निवेशकों का पैसा दोगुना कर दिया। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश का फैसला केवल पुराने रिटर्न के आधार पर नहीं करना चाहिए, क्योंकि बाजार और सेक्टर का प्रदर्शन समय के साथ बदलता रहता है।

इंफ्रास्ट्रक्चर और पीएसयू फंड्स रहे सबसे आगे

पांच साल के प्रदर्शन पर नजर डालें तो सबसे अधिक फायदा सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स में निवेश करने वालों को मिला। खासतौर पर इंफ्रास्ट्रक्चर, पीएसयू, पावर और मिडकैप से जुड़े फंड्स ने जबरदस्त रिटर्न दिए।

सबसे आगे आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड रहा, जिसने पांच साल में करीब 188 प्रतिशत का एब्सोल्यूट रिटर्न दिया। यानी एक लाख रुपये का निवेश लगभग 2.88 लाख रुपये हो गया। इसके बाद एसबीआई पीएसयू फंड और एलआईसी एमएफ इंफ्रास्ट्रक्चर फंड ने करीब 183 प्रतिशत का रिटर्न दिया। वहीं आदित्य बिड़ला सन लाइफ पीएसयू इक्विटी फंड ने 179 प्रतिशत, डीएसपी इंडिया टाइगर फंड ने 176.51 प्रतिशत और निप्पॉन इंडिया पावर एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड ने लगभग 174 प्रतिशत का रिटर्न दिया। डायवर्सिफाइड मिडकैप श्रेणी में मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड ने पांच वर्षों में करीब 172 प्रतिशत का रिटर्न देकर निवेशकों को शानदार कमाई कराई।

तीन साल में पैसा दोगुना करने वाले फंड

अगर केवल तीन वर्षों के प्रदर्शन को देखें तो एचडीएफसी डिफेंस फंड सबसे आगे रहा। इस फंड ने करीब 174 प्रतिशत का एब्सोल्यूट रिटर्न दिया। यानी तीन साल पहले लगाए गए एक लाख रुपये बढ़कर लगभग 2.74 लाख रुपये हो गए। इसके अलावा बंधन स्मॉल कैप फंड ने 106 प्रतिशत, क्वांट बीएफएसआई फंड ने 101.73 प्रतिशत और एलआईसी एमएफ इंफ्रास्ट्रक्चर फंड ने 100.24 प्रतिशत का रिटर्न देकर निवेशकों का पैसा दोगुना कर दिया। हालांकि एसबीआई पीएसयू फंड 99.12 प्रतिशत रिटर्न के साथ इस सूची में शामिल होने से मामूली अंतर से चूक गया।

किन सेक्टरों ने दिलाया सबसे ज्यादा फायदा

पिछले कुछ वर्षों में जिन सेक्टरों ने निवेशकों को सबसे अधिक लाभ पहुंचाया, उनमें डिफेंस, इंफ्रास्ट्रक्चर, पीएसयू, पावर, स्मॉलकैप, हेल्थकेयर और बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएं (बीएफएसआई) प्रमुख रहे। इन क्षेत्रों में सरकार के पूंजीगत खर्च, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, सार्वजनिक उपक्रमों के बेहतर प्रदर्शन और आर्थिक गतिविधियों में तेजी का सकारात्मक असर देखने को मिला। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि सेक्टोरल फंड हमेशा एक जैसी तेजी नहीं दिखाते। इनमें तेजी और मंदी आर्थिक चक्र के अनुसार आती-जाती रहती है।

क्या अब भी इनमें निवेश करना सही रहेगा?

आनंद राठी वेल्थ के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी फिरोज अजीज का कहना है कि निवेशकों को केवल पिछले शानदार रिटर्न देखकर किसी सेक्टोरल या थीमैटिक फंड में निवेश नहीं करना चाहिए। किसी भी फंड का पिछला प्रदर्शन भविष्य में उसी तरह के रिटर्न की गारंटी नहीं देता। उनके अनुसार, सेक्टोरल फंड्स में सही समय पर निवेश करना और सही समय पर बाहर निकलना काफी महत्वपूर्ण होता है।

दो साल में कई स्टार फंड्स की रफ्तार हुई धीमी

- पांच वर्षों में शानदार प्रदर्शन करने वाले कई फंड्स का पिछले दो वर्षों का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा है।
- उदाहरण के लिए, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड ने पिछले दो वर्षों में केवल 5.28 प्रतिशत रिटर्न दिया। एसबीआई पीएसयू फंड का रिटर्न 0.75 प्रतिशत रहा, जबकि आदित्य बिड़ला सन लाइफ पीएसयू इक्विटी फंड और इनवेस्को इंडिया पीएसयू इक्विटी फंड ने इस अवधि में नकारात्मक रिटर्न दर्ज किया।
- इसी तरह एचडीएफसी इंफ्रास्ट्रक्चर फंड और डीएसपी इंडिया टाइगर फंड का प्रदर्शन भी पिछले दो वर्षों में काफी धीमा रहा। इससे साफ है कि किसी सेक्टर में तेज रैली के बाद कुछ समय तक ठहराव या गिरावट आना सामान्य बात है।

छोटी-छोटी बचत से बनाएं बड़ा फंड, भविष्य होगा सुरक्षित

- लाइफस्टाइल से समझौता किए बिना हर माह कुछ न कुछ बचत करें
- अच्छी बचत का मतलब कंजूसी नहीं, बल्कि समझदारी से खर्च करना
- आय, खर्च और निवेश के बीच संतुलन बनाया जाना जरूरी
- स्मार्ट मनी मैनेजमेंट से वर्तमान और भविष्य दोनों होंगे खुशहाल
- हर खरीदारी से पहले खुद से सवाल पूछें क्या यह वास्तव में जरूरी है

मनी मंत्रा

बिजनेस डेस्क

बढ़ती महंगाई, बदलती जीवनशैली और बढ़ते खर्चों के बीच हर व्यक्ति की सबसे बड़ी चिंता होती है कि आखिर बचत कैसे बढ़ाई जाए। आम धारणा यह है कि पैसे बचाने के लिए अपनी पसंद, शौक और मनोरंजन पर रोक लगानी पड़ती है, लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि अच्छी बचत का मतलब कंजूसी करना नहीं, बल्कि समझदारी से खर्च करना है। यदि आय, खर्च और निवेश के बीच संतुलन बनाया जाए तो बिना लाइफस्टाइल से समझौता किए हर महीने अच्छी-खासी बचत की जा सकती है। दरअसल, आज के समय में वित्तीय सुरक्षा केवल अधिक कमाई पर निर्भर नहीं करती, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करती है कि कमाई का कितना हिस्सा सही तरीके से उपयोग और निवेश किया जा रहा है। यदि व्यक्ति छोटी-छोटी वित्तीय आदतों में बदलाव कर ले तो वह न केवल अपने मासिक खर्चों को नियंत्रित कर सकता है, बल्कि भविष्य के बड़े वित्तीय लक्ष्यों जैसे घर खरीदना, बच्चों की शिक्षा, रिटायरमेंट और इमरजेंसी फंड को भी आसानी से पूरा कर सकता है।

खर्चों का रिकॉर्ड रखना बचत की पहली सीढ़ी

वित्तीय योजना की शुरुआत हमेशा इस सवाल से होती है कि आपका पैसा आखिर खर्च कहां हो रहा है। अधिकांश लोग यह मानते हैं कि वे बहुत अधिक खर्च नहीं करते, लेकिन जब महीनेभर के बैंक स्टेटमेंट या डिजिटल भुगतान का रिकॉर्ड देखा जाता है तो कई ऐसे खर्च सामने आते हैं, जिनकी वास्तव में कोई जरूरत नहीं होती। बिना इस्तेमाल वाले ओटीटी सब्सक्रिप्शन, बार-बार ऑनलाइन खाना मंगाना, छोटी-छोटी ऑनलाइन शॉपिंग, महंगी कॉफी या बार-बार कैब का उपयोग जैसी आदतें महीने के अंत तक हजारों रुपये का अतिरिक्त खर्च करा देती हैं। यदि व्यक्ति अपने सभी खर्चों को मोबाइल ऐप, एक्सेल शीट या डायरी में दर्ज करना शुरू कर दे तो उसे तुरंत समझ आ जाएगा कि बचत की सबसे अधिक संभावना कहां है।

जरूरत और वैल्यू में फर्क समझना जरूरी

अक्सर लोग आकर्षक ऑफर या फैशन के प्रभाव में ऐसी चीजें खरीद लेते हैं, जिनकी उन्हें वास्तव में आवश्यकता नहीं होती। वित्तीय विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि हर खरीदारी से पहले खुद से तीन सवाल पूछें क्या यह वास्तव में जरूरी है? क्या इसका उपयोग लंबे समय तक होगा? और क्या इसे अभी खरीदना आवश्यक है? ऐसी वस्तुओं या अनुभवों पर खर्च करना बेहतर माना जाता है जो लंबे समय तक लाभ दें। उदाहरण के लिए, कोई नई स्किल सीखना, स्वास्थ्य पर खर्च करना, परिवार के साथ यात्रा करना या अच्छी किताबें खरीदना ऐसे निवेश हैं जो लंबे समय तक मूल्य देते हैं। इसके विपरीत केवल दिखावे के लिए की गई खरीदारी कुछ समय बाद महत्व खो देती है।

'फन बजट' बनाएं, बचत भी होगी व खुशी भी

कई लोग बचत करने के उत्साह में अपने सभी मनोरंजन संबंधी खर्च बंद कर देते हैं। शुरुआत में यह आसान लगता है, लेकिन कुछ समय बाद व्यक्ति मानसिक रूप से थक जाता है और फिर अचानक जरूरत से ज्यादा खर्च करने लगता है। इस स्थिति से बचने के लिए विशेषज्ञ हर महीने एक निश्चित राशि केवल मनोरंजन, घूमने-फिरने, फिल्म देखने या दोस्तों के साथ समय बिताने के लिए अलग रखने की सलाह देते हैं। इसे 'फन बजट' कहा जाता है। इससे व्यक्ति बिना किसी अपराधबोध के अपनी पसंद की गतिविधियों का आनंद ले सकता है और उसका कुल बजट भी नहीं बिगड़ता।

लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन बड़ा वित्तीय जाल

वित्तीय दुनिया में एक शब्द काफी लोकप्रिय है। 'लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन'। इसका मतलब है कि जैसे-जैसे आय बढ़ती है, वैसे-वैसे व्यक्ति अपने खर्च भी बढ़ा देता है। नई नौकरी मिलने पर महंगा मोबाइल खरीद लेना, वेतन बढ़ते ही लग्जरी कार की ईएमआई शुरू कर देना या हर सप्ताह महंगे रेस्टोरेंट जाना इसी प्रवृत्ति के उदाहरण हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि वेतन बढ़ने पर सबसे पहले बचत और निवेश की राशि बढ़ानी चाहिए। यदि हर वेतन वृद्धि का कम से कम 40 से 50 प्रतिशत हिस्सा सीधे एसआईपी, पीपीएफ, एनपीएस या अन्य निवेश विकल्पों में लगाया जाए तो कुछ वर्षों में बड़ा निवेश कोष तैयार किया जा सकता है।

रोजमर्रा की छोटी आदतों में करें बड़ा बदलाव

बचत के लिए हमेशा बड़े बदलाव की जरूरत नहीं होती। छोटी-छोटी आदतें भी लंबी अवधि में बड़ा असर डालती हैं। उदाहरण के लिए, किसी भी सामान को खरीदने से पहले ऑनलाइन कीमतों की तुलना करना, कैशबैक और डिस्काउंट ऑफर का लाभ उठाना, अनावश्यक गैजेट अपग्रेड से बचना, बिजली और पानी की बचत करना तथा सप्ताह में कुछ दिन बाहर खाने की बजाय घर का भोजन करना जैसी आदतें हर महीने अच्छी रकम बचा सकती हैं। इसी तरह क्रेडिट कार्ड का उपयोग केवल उतना ही करें, जितना समय पर चुका सकें। अनावश्यक ईएमआई से बचना और हर महीने आय का कम से कम 20 से 30 प्रतिशत बचत या निवेश के लिए अलग रखना वित्तीय अनुशासन का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

खबर संक्षेप

रूफटाप सोलर लगाने पर अतिरिक्त आर्थिक सहायता

गन्नौर। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम ने सौर ऊर्जा प्रोत्साहन योजना के तहत पात्र घरेलू उपभोक्ताओं को रूफटाप सोलर संयंत्र लगाने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। इसके लिए गन्नौर कार्यकारी अभियंता परवीन कुमार गर्ग ने सेल्स सर्कुलर जारी कर गन्नौर डिवीजन के सभी उपमंडल अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जानकारी अनुसार इस योजना के तहत पात्र उपभोक्ताओं को केंद्र सरकार की सब्सिडी के साथ अतिरिक्त आर्थिक सहायता भी मिलेगी। इससे सोलर संयंत्र लगाने का खर्च कम होगा और लोग स्वच्छ ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहित होंगे।

शुभम नैन बने इनसो सोनीपत के चेयरमैन

सोनीपत। जननायक जनता पार्टी की छात्र इकाई इंडियन नेशनल स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन (इनसो) के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मलिक ने संगठन की नई कार्यकारिणी घोषित करते हुए गोहाना क्षेत्र के गांव भादी निवासी छात्र नेता शुभम नैन को सोनीपत का चेयरमैन नियुक्त किया है। शुभम नैन इससे पहले जिला अध्यक्ष, विश्वविद्यालय प्रभारी, प्रदेश महासचिव, प्रदेश सचिव और जिला मीडिया प्रभारी सहित कई जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। नियुक्ति पर उन्होंने पार्टी नेतृत्व का आभार जताया।

बिजली टावर मुआवजे को लेकर बाजार दर पर भुगतान की मांग

गुहणा के किसानों के धरने को मिला भारतीय किसान यूनियन का समर्थन

» *प्रदेश अध्यक्ष रतन मान जिला कार्यकारिणी के साथ धरना स्थल पर पहुंचे*

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सोनीपत

गांव गुहणा में बिजली टावर के लिए भूमि अधिग्रहण के मुआवजे की मांग को लेकर 7 जून से चल रहे किसानों के धरने को शनिवार को भारतीय किसान यूनियन का समर्थन मिला। प्रदेश अध्यक्ष रतन मान जिला कार्यकारिणी के साथ धरना स्थल पर पहुंचे और किसानों की मांगों को जायज बताते हुए सरकार से बाजार दर के अनुसार मुआवजा देने की मांग की।

धरने पर मौजूद किसानों ने बताया कि गुहणा, आंवली, जाजी, मुहाना, भैंसवाल और बिलबिला गांव के किसान पिछले कई सप्ताह से धरने पर बैठे हैं। उनका कहना है कि धरना कमेटी तीन बार ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर तथा कई बार सोनीपत के उपायुक्त से मुलाकात कर चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। किसानों ने यह भी कहा कि हरियाणा सरकार में मंत्री अरविंद शर्मा सहित भाजपा के कई नेताओं ने भी उनकी मांगों का समर्थन किया है।

प्रदेश अध्यक्ष रतन मान ने कहा कि किसानों और बिजली कंपनी के बीच विवाद का समाधान बातचीत से होना चाहिए। उन्होंने उपायुक्त से मध्यस्थता कर उचित समाधान निकालने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को मौजूदा बाजार दर के अनुसार मुआवजा दे। रतन मान ने यह भी बताया कि किसानों के समर्थन में जल्द ही किसान नेता राकेश टिकैत भी धरना स्थल पर पहुंचेंगे, जिसके लिए एक बड़ी किसान पंचायत आयोजित की जाएगी। जिला प्रधान विरेंद्र पहल ने कहा कि प्रशासन द्वारा जमीन की बाजार कीमत चार करोड़ रुपये प्रति एकड़ और किसानों द्वारा पांच करोड़ रुपये प्रति एकड़ आंकी गई है, जबकि बिजली कंपनी 90 लाख रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा देने की बात कर रही है।

उन्होंने इसे किसानों के साथ अन्याय बताते हुए प्रशासन से नए सिरे से समाधान की दिशा में पहल करने की मांग की। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि सकारात्मक पहल नहीं हुई तो उपायुक्त कार्यालय के बाहर पंचायत की जाएगी।

सोनीपत। धरने को संबोधित करते हुए किसान यूनियन के पदाधिकारी। *फोटो : हरिभूमि*

ये रहे मौजूद

धरने के समर्थन में जिला उपप्रधान मुकेश दहिया, जिला उपप्रधान दलबीर मदीना, वरिष्ठ किसान नेता बिजेंद्र मालिक, जिला उपप्रधान मंदीप बड़वासनी, जिला महासचिव सुंदर उदेशीपुर, जिला सचिव अनिल सरगथल, जिला सहसचिव जसमेर मोहाना, जिला संगठन प्रचार मंत्री सतपाल मालिक, कथूरा ब्लॉक प्रधान सुनील मालिक, गन्नौर ब्लॉक प्रधान कृष्ण कुमार और गन्नौर ब्लॉक उपप्रधान मंजीत सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

समग्र शिक्षा अभियान की समीक्षा, गतिविधियां समय पर पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश

- ड्रॉपआउट बच्चों की वापसी, अपार आईडी और स्कूल ऑडिट पर डीसी नेहा सिंह ने दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सोनीपत

सोनीपत। बैठक में उपस्थित अधिकारीगण। *फोटो : हरिभूमि*

हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समग्र शिक्षा अभियान की समीक्षा करते हुए सभी उपायुक्तों को निर्देश दिए कि अभियान से जुड़ी सभी गतिविधियां समयबद्ध तरीके से भारत सरकार के प्रगति पोर्टल पर अपलोड की जाएं। बैठक के बाद उपायुक्त नेहा सिंह ने जिला अधिकारियों के साथ समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उपायुक्त नेहा सिंह ने प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर पढ़ाई छोड़ चुके बच्चों की पहचान कर उन्हें दोबारा स्कूलों से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले के सभी सरकारी और निजी विद्यालयों में पढ़ने वाले शत-प्रतिशत विद्यार्थियों की अपार (वन नेशन, वन स्टूडेंट आईडी) आईडी बनाई जाए। साथ ही सभी विद्यालयों का ऑडिट कर पेयजल, शौचालय, फर्नीचर, बिजली और अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। स्कूल भवनों का तकनीकी निरीक्षण कर जर्जर भवनों को नियमानुसार कंडम घोषित करने तथा विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

ठेका सफाई कर्मियों ने शर्तों के विरोध में किया

सोनीपत। नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर शनिवार को नगर निगम कार्यालय परिसर में ठेका सफाई कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर ठेकेदार द्वारा जारी शर्तों का विरोध जताया। कर्मचारियों ने शर्तों से संबंधित पत्र की प्रतियां जलाकर रोष व्यक्त किया और स्पष्ट किया कि वे ऐसी शर्तों को स्वीकार कर कार्य नहीं करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ठेकेदार मनमानी करता है तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने बताया कि नगर निगम का पूर्व सफाई ठेका 15 जून को समाप्त हो गया था। इसके बाद निगम प्रशासन ने छह माह के लिए नया टेंडर जारी कर कार्यादेश दे दिया है, लेकिन अब तक नियमित रूप से सफाई कार्य शुरू नहीं कराया गया। कर्मचारियों का आरोप है कि कार्य शुरू होने से पहले ही ठेकेदार ने कई शर्तें लागू कर दी हैं।

न्यूज डायरी

विज्ञान सप्ताहः प्रतियोगिताओं में विजेता विद्यार्थी अलंकृत

गोहाना। ग्लोबल पब्लिक स्कूल, खानपुर कलां में विज्ञान सप्ताहः 2026 धूमधाम से आयोजित किया गया। विज्ञान सप्ताह में स्कूल के भावी वैज्ञानिकों ने न केवल विभिन्न विषयों से संबंधित मॉडल प्रस्तुत किए अपितु पोस्टर बनाना, नारा लेखन, पौधारोपण, मुखौटा बनाना व बेकार चीजों का रचनात्मक उपयोग करने संबंधी गतिविधियों में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित की। विजेताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान करके सम्मानित किया गया। विज्ञान सप्ताह के लिए मार्गदर्शन स्कूल के एमडी पंकज जाले का रहा। अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. प्रीति शर्मा ने की और संयोजन उप प्राचार्य जतिन आनंद का रहा। पोस्टर तथा नारा लेखन गतिविधि में कक्षा 9वीं से यशस्वी, वंशिका जाले, सानवी और अंशु की टीम व कक्षा 10वीं से महक, सुनैना और रियांश की टीम को प्रथम पुरस्कार दिया गया। कक्षा 11वीं से हिमांशु, टीना और भूमिका जबकि कक्षा 12वीं से कनिका, दीपिका, निधि, गुंजन, ईशु और कीर्तिका की टीम प्रथम घोषित की गई। विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष सीमा कुहाड़ ने सभी विज्ञान अध्यापकों के साथ विज्ञान सप्ताह की सभी गतिविधियों का अवलोकन व आंकलन किया। प्राचार्या के अनुसार इस विज्ञान सप्ताह का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और प्रयोग करने की भावना को विकसित करना था।

विद्यार्थियों को कानूनी अधिकार-सुरक्षा उपाय बताए

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए अधिवक्ता।

सोनीपत। आर्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कथ मंडी, सोनीपत में शनिवार को पोक्सो अधिनियम (पीओसीएसओ) और पॉश अधिनियम (पॉश) विषय पर जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर का आयोजन पैनल अधिवक्ता अश्वनी कुमार ने किया, जबकि डॉ. रीना दहिया ने एक्सटर्नल एक्सपर्ट के रूप में विद्यार्थियों और शिक्षकों को महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम में विद्यालय के करीब 200 विद्यार्थियों ने भाग लिया। अश्वनी कुमार ने विद्यार्थियों को पोक्सो अधिनियम के प्रावधान, बच्चों के अधिकार, शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया और किसी भी प्रकार के उत्पीड़न की स्थिति में तुरंत जानकारी देने के महत्व से अवगत कराया। वहीं डॉ. रीना दहिया ने गुड टच-बैड टच, व्यक्तिगत सुरक्षा, लैंगिक संवेदनशीलता, साइबर सुरक्षा तथा कार्यस्थल पर सम्मानजनक व्यवहार पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने प्रश्न भी पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने सरल भाषा में उत्तर दिया। विद्यालय प्रशासन ने अश्वनी कुमार और डॉ. रीना दहिया का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

सफाई अभियानः ग्रामीणों को समझाया स्वच्छता का महत्व

- स्वच्छ भारत मिशन के तहत विकास खंड गोहाना के 35 गांवों में चलाया अभियान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ गोहाना

स्वच्छ भारत मिशन के तहत विकास खंड गोहाना के 35 गांवों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। ग्रामीण विकास विभाग हरियाणा द्वारा 14 जुलाई से शुरू हुए इस अभियान का समापन 20 जुलाई को होगा।

जिला परिषद सोनीपत की सीईओ डॉ. अनमोल के निर्देश पर विकास खंड गोहाना के बीडीपीओ डॉ. परमजीत के मार्गदर्शन में इस अभियान के तहत ग्रामीणों को स्वच्छता का महत्व समझाया गया। संयोजन खंड को-ऑर्डिनेटर रामसेवक ने कहा कि जब गांव स्वच्छ होंगे तभी पूरा देश स्वच्छ बनेगा। अपने गांव को स्वच्छ बनाना प्रत्येक ग्रामीण की जिम्मेवारी है। ग्रामीण कूड़ा इधर-उधर न फैंकें और खुले में शौच न जाएं। ग्रामीण अपने घरों में शौचालय बनवाएं। शौचालय निर्माण के लिए सरकार द्वारा जरूरतमंद परिवारों को विशेष अनुदान राशि भी दी जाती है।

गोहाना। रेहड़ी में कूड़ा डालते हुए ग्रामीण व सफाई कर्मचारी। *फोटो : हरिभूमि*

वृद्धाश्रम में पौधरोपण कर बुजुर्गों को वितरित कीं चादरें व उपयोगी सामग्री

गन्नौर। क्लब प्रधान नितिन जैन और सचिव गौरव जैन के साथ क्लब पदाधिकारी पौधरोपण करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

गन्नौर। रोटरी क्लब ऑफ गन्नौर रॉयल की ओर से शनिवार को गन्नौर गांव स्थित वृद्धाश्रम में पौधारोपण एवं सेवा कार्य का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रोटरी डिस्ट्रिक्ट के असिस्टेंट गवर्नर (एजी) रविंद्र भारद्वाज मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान क्लब पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने संयुक्त रूप से त्रिवेणी का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों को चादरें, डस्टबिन तथा दैनिक उपयोग का आवश्यक सामान वितरित किया गया। मुख्य अतिथि रविंद्र भारद्वाज ने कहा कि पौधारोपण और जरूरतमंदों की सेवा जैसे कार्य समाज को सकारात्मक दिशा देने का माध्यम हैं। उन्होंने रोटरी क्लब के सेवा कार्यों की सराहना करते ऐसे अभियान निरंतर चलाने का आह्वान किया।

धानक कबीर समाज जागृति मंच ने विधायक का किया सम्मान

सोनीपत। धानक कबीर समाज जागृति मंच हरियाणा के प्रदेश प्रधान हंसराज ईष्टकान ने अपनी कार्यकारिणी के साथ सोनीपत स्थित विधायक निखिल मदान के कार्यालय पहुंचकर उनका सम्मान किया। इस दौरान मंच की ओर से विधायक को कबीर साहेब का स्मृति चिह्न भेंट किया गया तथा फूलमाला और पगड़ी पहनाकर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर विधायक निखिल मदान ने कहा कि संत कबीर ने जाति-पांति और ऊंच-नीच का हमेशा विरोध किया तथा मानवता, सामाजिक समरसता और समानता का संदेश दिया। कहा कि कबीर साहेब के अनुसार मनुष्य की पहचान उसके कर्मों से होती है, न कि जाति या धर्म से। विधायक ने समाज से कुरीतियों को समाप्त करने और आपसी भाईचारा बढ़ाने का आह्वान किया। मंच पदाधिकारियों ने भी संत कबीर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

ब्रह्मकुमारी संस्था के प्रेरक सत्र से छात्रों में बढ़ा आत्मविश्वास

राई। ओम शांति शिक्षा सदन स्कूल, नाथूपुर में शनिवार को ब्रह्मकुमारी संस्था की ओर से प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बहन गीता एवं बहन अदिति सिंगल ने विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच, एकाग्रता, अनुशासन, समय प्रबंधन और राजयोग मेडिटेशन का महत्व समझाया। विद्यालय प्रबंधन ने बहन गीता जी और बहन अदिति सिंगल का शॉल ओढ़ाकर, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया। सीपीएस ओलंपियाड (गणित, सामान्य ज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान) में विद्यालय के विद्यार्थियों की उत्कृष्ट उपलब्धि की घोषणा की गई। प्रथम स्तर उत्तीर्ण करने के बाद छह विद्यार्थियों का द्वितीय स्तर के लिए चयन हुआ। इनमें रोहित ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्तर के लिए भी स्थान बनाया। इसके अलावा वंश, कार्तिक, जिगर तथा काजल ने भी सफलता प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यालय के निदेशक योगराज भारद्वाज और प्राचार्य राजेश कुमार गुप्ता ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी।

नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई

गोहाना। नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र देते हुए।

गोहाना। शनिवार को युवा अग्रवाल वैश्य समाज की गोहाना विधानसभा की कार्यकारिणी का गठन किया गया। विधानसभा अध्यक्ष रिंकू जिंदल के अनुमोदन पर अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला की अनुशंसा से युवा प्रदेश अध्यक्ष हिमांशु गोयल व कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मयंक गर्ग द्वारा कार्यकारिणी गठित करके नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिए। नई कार्यकारिणी में सौरभ गोयल व आशीष गोयल को गोहाना विधानसभा के उपाध्यक्ष, सुमित बंसल व अतुल गोयल को महासचिव, मोहित मंगल को सचिव, अंकित गर्ग को प्रवक्ता और प्रवीन जिंदल को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष शुभम गोयल लोहिया भी उपस्थित रहे। युवा प्रदेश अध्यक्ष हिमांशु गोयल व कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मयंक गर्ग द्वारा नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

सोनीपत। विद्यालय परिसर में पौधरोपण करते क्लब के पदाधिकारी।

पर्यावरण संरक्षण-नियमित देखभाल का दिया संदेश

सोनीपत। सरस्वती शिक्षा संस्थान (एस-7) में रोटरी क्लब के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भारत अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रोटरी क्लब के अध्यक्ष प्रमोद भूटानी व मोना भूटानी, पूर्व अध्यक्ष आशू नागपाल व शालिनी, संजय अंतिल, संजय अरोड़ा व सीमा अरोड़ा, राजेश मक्कड़ व नीतू मक्कड़, दीपक हुड्डा, सुधीर खुराना, अंकित जैन, संजय कुकरेजा और अभिषेक गुप्ता मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने विद्यालय परिसर में पौधे लगाकर विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण और पौधों की नियमित देखभाल का संदेश दिया। कार्यक्रम में विद्यालय के चेयरमैन सुखप्रिय शास्त्री, प्रेमबाला, निदेशक दीपक कुमार, प्राचार्या डॉ. मधु, निदेशक विकास, प्राचार्या नम्रता, प्रधानाचार्य डॉ. अंकुर रोहिल्ला और मुख्याध्यापिका रीटा तनेजा भी उपस्थित रहीं। उन्होंने रोटरी क्लब के प्रयास की सराहना करते हुए विद्यार्थियों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया।

साफ-सफाई रखने व दूसरों को प्रेरित करने का आह्वान

- स्वच्छता अभियान में भाजपा नेता आजाद सिंह नेहरा ने चलाया सफाई अभियान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ गन्नौर

गन्नौर। सफाई अभियान में भाग लेते आजाद नेहरा।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं सोनीपत लोकसभा मन की बात कार्यक्रम के संयोजक आजाद सिंह नेहरा ने शनिवार को गन्नौर विधानसभा क्षेत्र के गांव गढ़ी झज्जारा स्थित वाल्मीकि बस्ती में आयोजित स्वच्छता अभियान में भाग लिया। आजाद सिंह नेहरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार बनने के बाद पूरे देश में स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान ने लोगों की सोच में सकारात्मक बदलाव लाया है और अब आम नागरिक भी अपने घर, मोहल्ले और सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने के लिए आगे आ रहे हैं। नेहरा ने उपस्थित लोगों से अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखने तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय गौतम, महामंत्री सुखबीर प्रजापति, जिला कार्यकारिणी सदस्य सुदामा आदि मौजूद रहे।

नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम

सोनीपत। गेटवे कॉलेज में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के नवप्रवेशी विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों के लिए फैकल्टी ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्थान की शैक्षणिक व्यवस्था, आधुनिक शिक्षण पद्धति, अनुशासन, कौशल विकास और करियर के अवसरों की जानकारी देना था। इस दौरान विद्यार्थियों और अभिभावकों ने शिक्षकों से संवाद कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी प्राप्त किया। निदेशक जनरल डॉ. (कर्नल) ए. गर्ग और गेटवे इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के प्राचार्य डॉ. विशाल जैन ने विद्यार्थियों से अनुशासन बनाए रखते हुए मेहनत और समर्पण के साथ अपने लक्ष्य हासिल करने का आह्वान किया।

सोनीपत। कार्यक्रम का शुभारंभ करते भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष साथ में जिलाध्यक्ष एवं अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

जादूगर सम्राट शंकर ने सामाजिक जागरूकता का दिया संदेश

सोनीपत। सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा के सौजन्य से अमृतकाल जागरूकता अभियान के तहत जीवीएम गर्ल्स कॉलेज में आयोजित विश्वविख्यात जादूगर सम्राट शंकर के जादू शो के दूसरे दिन भी बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे। शुभारंभ भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। अवसर पर विधायक पवन खरखौदा, भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक भारद्वाज, राजकुमार कटारिया, डीएफओ रेनूबाला सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। बड़ौली ने कहा कि मनोरंजन के साथ सामाजिक संदेश जोड़ने वाले ऐसे कार्यक्रम जनजागरूकता का प्रभावी माध्यम हैं। कहा कि सम्राट शंकर का शो सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक सरोकारों को लोगों तक पहुंचाने का सशक्त मंच है। विधायक पवन ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों, युवाओं और आम नागरिकों को समाज व राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का एहसास कराते हैं। शो के दौरान जादूगर सम्राट शंकर ने रोमांचक प्रस्तुतियों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त भारत, स्वच्छता और सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूकता का संदेश देते नागरिकों से सकारात्मक बदलाव में भागीदारी का आह्वान किया।

एचएसवीपी अधिकारियों से कर्मचारी यूनियन की वार्ता

कई मांगों पर मिला सकारात्मक आश्वासन

स्टाफ क्वार्टर खाली कराने पर बनी सहमति

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सोनीपत

हरियाणा संयुक्त कर्मचारी मंच से संबद्ध हुडा जन स्वास्थ्य कर्मचारी यूनियन के शिष्टमंडल ने शनिवार को प्रदेश अध्यक्ष आरके नागर के नेतृत्व में एचएसवीपी के संपदा अधिकारी सिद्धार्थ और कनिष्ठ अभियंता राम नारायण से लंबित मांगों तथा सूचना के अधिकार (आरटीआई) से जुड़े मुद्दों पर वार्ता की। करीब दो घंटे चली बैठक में यूनियन के अनुसार कई मांगों पर सकारात्मक आश्वासन मिला।

यूनियन का दावा है कि एचएसवीपी अधिकारियों ने एक सप्ताह के भीतर स्टाफ क्वार्टरों से अवैध कब्जे हटाने की कार्रवाई करने का भरोसा दिया है। इसके अलावा यूनियन की ओर से कार्यालय में कथित फर्जी लेटरपैड पर की गई शिकायतों का मामला भी उठाया गया। यूनियन के अनुसार अधिकारियों ने इस संबंध में पहले भेजे गए पत्र की समीक्षा कर उच्च अधिकारियों को नया पत्र भेजने तथा उसकी प्रति उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है।

सोनीपत। बैठक के दौरान मौजूद यूनियन के पदाधिकारी एवं संपदा अधिकारी।

ये रहे मौजूद

आर.के. नागर ने बताया कि 20 जुलाई को सेक्टर-15 स्थित एचएसवीपी कार्यालय पर कार्यकारी अभियंता, एसडीओ, कनिष्ठ अभियंता तथा एचकेआरएन एवं ठेका कर्मचारियों से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों की जांच की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। बैठक में सुरेंद्र सिंह, राकेश त्यागी, सुरेश रोहिला, समेश कुमार, जोगेंद्र सिंह, शमशेर सिंह, जगदीश और शुभम सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अनिल मलिक यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष चयनित

गोहाना। हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर यूनियन सम्बंधित हरियाणा सयुक्त कर्मचारी संघ की आगामी त्रिवार्षिक राज्य कमेटी गठन में अनिल मलिक को प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेवारी दी गई है। हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर यूनियन द्वारा मानव सेवा सदन करनाल में यूनियन की त्रिवार्षिक कमेटी का गठन किया गया। कार्यक्रम में सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चयन किया गया। इसी कार्यक्रम में अनिल मलिक को प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेवारी सौंपी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष ईश्वर सिंह शर्मा ने की। इंडियन पब्लिक सर्विस ईम्पलाइज फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव प्रेमचंद द्वारा नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद एंव गोपनीयता की शपथ दिलाई। राज्य महासचिव संदल सिंह राणा की गरिमामयी उपस्थिति रही।

खबर संक्षेप

यमुना में डूबे किशोर का सुराग नहीं लगा

गन्नौर। गांव पबनेरा स्थित यमुना घाट पर नहाते समय डूबे उमेदगढ़ गांव के 15 वर्षीय किशोर दानिश का दूसरे दिन भी कोई सुराग नहीं लग सका। शनिवार को भी पुलिस, स्थानीय गोताखोरों और ग्रामीणों ने यमुना में कई घंटे तक तलाश अभियान चलाया, लेकिन देर शाम तक सफलता नहीं मिली। शुक्रवार दोपहर दानिश अपने साथियों के साथ यमुना घाट पर नहाने गया था। इस दौरान वह और उसका साथी गहरे पानी में चले गए थे। मौके पर काम कर रहे श्रमिकों ने दानिश के साथी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जबकि दानिश तेज बहाव में बह गया। घटना के बाद से पुलिस लगातार गोताखोरों की मदद से नदी में उसकी तलाश कर रही है। पुलिस का कहना है कि जब तक किशोर का पता नहीं चल जाता, तब तक तलाश अभियान जारी रहेगा।

ऋषिकुल विद्यालयों का प्रतिनिधिमंडल यूके पहुंचा

सोनीपत। ब्रिटिश काउंसिल के अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत ऋषिकुल विद्यापीठ, अलीपुर और ऋषिकुल वर्ल्ड एकेडमी, सोनीपत के प्रतिनिधिमंडल ने यूनाइटेड किंगडम स्थित हडसन स्कूल का शैक्षणिक दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल में विद्यालय प्रबंधक नीरज शर्मा और निर्देशिका रीमा शर्मा शामिल रहे। हडसन स्कूल की मुख्य अध्यापिका कैथी ने उनका स्वागत किया।

लायन क्लब गन्नौर की नई कार्यकारिणी गठित

गन्नौर। लायन क्लब गन्नौर के नए वर्ष का अधिष्ठापन समारोह का आयोजन कनक गार्डन में किया गया। समारोह में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर उमेश गर्ग ने नई कार्यकारिणी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाकर विधिवत कार्यभार सौंपा। समारोह में अजय त्यागी ने क्लब के प्रधान, मनीष बंसल ने सचिव तथा नरेन्द्र पतंजलि ने कोषाध्यक्ष पद की शपथ ली। कार्यक्रम में वीडीजी राम निवास गुप्ता और अतुल शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं पीडीजी भारत भूषण दुआ, रमन गुप्ता और विनय गर्ग ने इंस्टॉलेशन ऑफिसर के रूप में अधिष्ठापन की प्रक्रिया सम्पन्न कराई।

लाडो लक्ष्मी योजना से शिक्षा और महिला सशक्तिकरण को साधने का प्रयास

पात्र विद्यार्थियों की माताओं के खाते में भेजी जाएगी 2100 की आर्थिक मदद

योजना का लाभ उठाने के लिए परिवार की वार्षिक आय 1.80 लाख होना अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। सेक्टर-15 स्थित राजकीय मॉडल प्राइमरी विद्यालय में खेलते विद्यार्थी।

लाडो लक्ष्मी योजना से अब शिक्षा और महिला सशक्तिकरण को एक साथ साधने का लक्ष्य रखा गया है। राजकीय विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों की मेहनत व उपलब्धि माताओं के लिए आर्थिक सहारा बन सकेगी। निपुण हरियाणा मिशन के तहत आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान (एफएलएन) के तय मानक हासिल करने वाले विद्यार्थियों की माताओं को प्रदेश सरकार की ओर से लाडो लक्ष्मी योजना का लाभ मुहैया करवाया जाएगा। योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर माह 2100 रुपये की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खाते में भेजने की योजना तैयार की गई है। इससे पहले विद्यार्थियों शिक्षा में अपनी निपुणता को साबित करना होगा। हालांकि जो विद्यार्थी निपुण घोषित किए गए हैं, उनकी माताओं को भी योजना का लाभ दिया जाएगा।

सरकार के साथ अब विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने भी लाडो लक्ष्मी योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के साथ-साथ विद्यार्थियों की पढ़ाई व उनके बौद्धिक विकास को बढ़ावा देने की दिशा में कदम बढ़ाया है। इस योजना का उद्देश्य जहां महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है, वहीं विद्यार्थियों की शिक्षा व बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करना है। लाडो लक्ष्मी योजना के तहत उन महिलाओं को भी पात्र माना गया है, जिनके बच्चे राजकीय विद्यालयों की कक्षा दूसरी, तीसरी और चौथी में निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत निर्धारित एफएलएन के मानकों को पूरा कर चुके हैं। भविष्य में भी मिशन के तहत जो विद्यार्थी निपुणता हासिल करेंगे। ऐसे विद्यार्थियों की माताओं को योजना के तहत आर्थिक सहयोग मुहैया करवाने का निर्णय लिया गया है। विद्यार्थियों को निपुण बनाने के लिए विभाग की ओर से समय-समय पर हिंदी व गणित विषयों पर सेंसस ग्रुपिंग असेसमेंट का आयोजन भी किया जा रहा है।

इन छात्रों की माताएं भी बन सकती हैं पात्र

राजकीय विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में 80 प्रतिशत या इससे अधिक अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों की माताएं भी योजना का लाभ लेने की पात्र होंगी। इसके लिए विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई पर ध्यान लगाते हुए अपनी मेहनत के बल पर परीक्षा में अव्वल स्थान पाना होगा। हालांकि योजना का लाभ लेने के लिए परिवार की वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये तक होना अनिवार्य है। अन्यथा संबंधित विद्यार्थियों की माताओं को योजना के तहत पात्र नहीं माना जाएगा। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी रचना बाना ने बताया कि योजना का लाभ मिलने से महिलाओं को जहां आर्थिक मजबूती मिलेगी। वहीं वह अपने बच्चों की शिक्षा से जुड़ी जरूरतों को बेहतर तरीके से पूरा कर सकेंगी। साथ ही यह पहल विद्यार्थियों को पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगी।

हिंदी व गणित पर सेंसस ग्रुपिंग असेसमेंट का आयोजन

- राजकीय विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों की उपलब्धि पर उनकी माताओं को मिलेगा आर्थिक सहयोग
- योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर विद्यार्थियों की शिक्षा व बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करना

संख्या पर एक नजर

कक्षा 2, 3, 4

सोनीपत	1771	1952	2094
मुंडलाना	456	446	420
राई	1996	2268	2436
गन्नौर	1259	1185	1228
गोहाना	807	763	735
खरखौदा	695	638	676
कथूरा	274	233	233
कुल	7258	7485	7822

सोनीपत। बैठक के दौरान उपस्थित यूनियन के पदाधिकारी एवं सदस्यगण।

क्रैच वर्कर्स एवं हेल्पर यूनियन का हुआ जिला सम्मेलन

सोनीपत। गोहाना रोड बाईपास स्थित शहीद भगत सिंह भवन में शनिवार को क्रैच वर्कर एवं हेल्पर यूनियन (सीटू) की जिला कमेटी की बैठक एवं द्विवार्षिक जिला सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता सिल्कराम मलिक ने की, जबकि संचालन राज्य कोषाध्यक्ष नूतन ने किया। सर्वसम्मति से सुनीता को जिला प्रधान, जयकोर को सचिव और रितु शर्मा को कोषाध्यक्ष चुना गया। सम्मेलन में निर्णय लिया गया कि केंद्रों का किराया, समय पर वेतन भुगतान और बच्चों के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग को लेकर आईसीडीएस विभाग की कार्यक्रम अधिकारी को मांगपत्र सौंपा जाएगा। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि कर्मियों को तीन माह से वेतन नहीं मिला है और कई माह से केंद्रों का किराया भी लंबित है। सिल्कराम मलिक ने विभाग में भ्रष्टाचार के आरोपों की निष्पक्ष जांच कराने और लंबित भुगतान शीघ्र जारी करने की मांग की।

विधायक ने सफाई अभियान में पहुंचकर दिया स्वच्छता का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

खरखौदा। स्वच्छता अभियान के दौरान सफाई करते विधायक पवन खरखौदा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से विधायक पवन खरखौदा ने शहर के वार्ड -15 स्थित एससी चौपाल में विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर स्वयं झाड़ू लगाई और लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया।

इस अवसर पर विधायक पवन खरखौदा ने कहा कि किसी भी क्षेत्र की पहचान वहां की साफ-सफाई और स्वच्छ वातावरण से होती है। स्वच्छ परिवेश न केवल क्षेत्र की सुंदरता बढ़ाता है, बल्कि लोगों को स्वस्थ जीवन भी प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि देश का प्रत्येक गांव और शहर स्वच्छ बने तथा प्रत्येक नागरिक इस अभियान में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाए। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को प्रतिदिन अपने कीमती समय में से कम से कम एक घंटा अपने घर, गली, मोहल्ले और सार्वजनिक स्थलों की सफाई के लिए अवश्य देना चाहिए। यदि सभी नागरिक इस जिम्मेदारी का निर्वहन करें तो पूरे क्षेत्र को स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सकता है।

विधायक ने दी 65 लाख के विकास की सौगात

गन्नौर। विधायक देवेंद्र कादियान ने शनिवार को गांव पुगथला में लगभग 65 लाख रुपए की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया। शिव मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों ने विधायक का स्वागत किया और गांव की समस्याओं से अवगत कराया। विधायक ने ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। विधायक कादियान ने बताया कि स्वीकृत राशि से गांव में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए कई कार्य करवाए जाएंगे। इनमें 29.26 लाख रुपए खर्च कर तेवड़ी रोड स्थित तालाब की रिटेनिंग दीवार का निर्माण, 20.23 लाख रुपए से माड़े वाला तालाब की रिटेनिंग दीवार का निर्माण, 6.67 लाख रुपए खर्च कर बनिया की दुकान से ब्राह्मण तालाब तक गली का निर्माण कराया जाएगा। स्टेडियम की चारदीवारी की मरम्मत के लिए 5.60 लाख रुपए तथा स्टेडियम में लड़के और लड़कियों के लिए शौचालय निर्माण के लिए 2.50 लाख रुपए की राशि खर्च की जाएगी। विधायक कादियान ने गन्नौर शहर की रेलवे रोड पर जलभराव की समस्या को लेकर कहा कि इसके स्थायी समाधान के लिए स्ट्रॉम वाटर लाइन बिछाने का काम शुरू कर दिया गया है। इस मौके पर ब्लॉक समिति सदस्य वीरेंद्र, भजनलाल, बलबीर, सुखबीर शर्मा, सुभाष, रामकुमार, दिलबाग, बलजीत, धर्मेंद्र, बलवान, सुखबीर फौजी समेत गांव के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का 900 ने लिया लाभ

खरखौदा। गांव सिसाना स्थित खाटू श्याम ब्रह्मार्थ धाम मंदिर में दो दिवसीय स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, जो शनिवार को सम्पन्न हो गया। जिसका आयोजन रोहतास दहिया के सौजन्य से किया गया। जिसमें करीब 900 लोगों ने विभिन्न प्रकार की जांच कराकर लाभ उठाया। इस शिविर में एक्शन बालाजी अस्पताल दिल्ली के चिकित्सकों हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ विजय सिंह, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ गीतिका, टेक्नीशियन सुमित्रा, किरण द्वारा जांच की गई। संयोजक रोहतास दहिया ने बताया कि शिविर के दौरान मैमोग्राफी, फेफड़ों की जांच, सीबीसी, प्रोस्टेट कैंसर, स्तन कैंसर, सर्वाइकल, शुगर, गर्भाशय, मुख कैंसर आदि की जांच की गई। इसके अलावा ब्लड शुगर, दांत व नेत्र परीक्षण, फेफड़ों की जांच की गई। जिसमें 125 लोगों को निःशुल्क चश्में प्रदान किए गए। जबकि 32 लोगों की आंखों के ऑपरेशन भी निःशुल्क कराए जाएंगे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9653530209, 9253681005, 9253681010

पुलिस ने की पेट्रोल पंप संचालकों संग बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। बैठक के दौरान उपस्थित पेट्रोल पंप संचालक साथ में पुलिस अधिकारी।

शहर में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने और अपराधों की रोकथाम के उद्देश्य से सहायक पुलिस आयुक्त (शहर-1) अमित धनखड़ ने शनिवार को सदर थाना क्षेत्र के पेट्रोल पंप संचालकों के साथ गोष्ठी आयोजित की। बैठक में थाना सदर प्रभारी सहित अन्य पुलिसकर्मी भी मौजूद रहे। बैठक में सहायक पुलिस आयुक्त ने पेट्रोल पंप संचालकों से सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करने का आह्वान किया। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी पेट्रोल पंपों पर लगे सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह कार्यशील रहें और उनकी रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखी जाए। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वाहन या गतिविधि की जानकारी तत्काल संबंधित थाना पुलिस या डायल-112 पर देने को कहा गया। उन्होंने कहा कि पेट्रोल पंप सार्वजनिक दृष्टि से संवेदनशील स्थान हैं, इसलिए यहां सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। कर्मचारियों का समय-समय पर पुलिस सत्यापन कराया जाए तथा विशेष रूप से रात्रि के समय अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए। इसके अलावा नकदी के सुरक्षित रखरखाव और बैंक में जमा कराने के दौरान भी आवश्यक सुरक्षा उपाय अपनाने के निर्देश दिए गए।

31 एनसीसी कैडेट्स ने परीक्षा की उत्तीर्ण

सोनीपत। हिन्दू गर्ल्स कॉलेज, सोनीपत की 31 एनसीसी कैडेट्स ने एनसीसी 'सी' सर्टिफिकेट परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर कॉलेज का नाम रोशन किया है। इनमें सीनियर अंडर ऑफिसर नोविका, अंडर ऑफिसर शिवानी, अंडर ऑफिसर आरजू, कॉर्पोरल राधिका, लांस कॉर्पोरल पायल और कैडेट सुनिधि ने सर्वोच्च 'ए' ग्रेड प्राप्त किया। कॉलेज की एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर कैप्टन नीतू नसीयर दूहन ने बताया कि फरवरी 2026 में आयोजित परीक्षा में लिखित और प्रायोगिक दोनों चरण शामिल थे, जिनमें नेतृत्व क्षमता, सैन्य ज्ञान, ड्रिल, मैप रीडिंग, व्यक्तित्व विकास और अनुशासन का मूल्यांकन किया गया।

रौनक मिस्टर तो लक्षिता के सिर मिस फ्रेशर का ताज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

साउथ प्वाइंट कॉलेज ऑफ नर्सिंग में आयोजित फ्रेशर पार्टी उत्साह, उमंग और प्रतिभा का शानदार संगम बनी। कार्यक्रम में बी.एससी. नर्सिंग प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, रैंप वॉक और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बनता था। फ्रेशर पार्टी के दौरान विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विशेष खिताब देकर सम्मानित किया गया। रौनक को मिस्टर फ्रेशर चुना गया तो वहीं लक्षिता के सिर मिस फ्रेशर का ताज सजा। साउथ प्वाइंट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि फ्रेशर पार्टी केवल स्वागत समारोह नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और नेतृत्व क्षमता को निखारने का एक सशक्त मंच है। एग्जिक्युटिव चेयरमैन रोहित खत्री ने सभी विजेताओं को शुभकामनाएं दी। वाइस चेयरपर्सन वर्तिका खत्री ने कहा कि कॉलेज जीवन की यह नई शुरुआत विद्यार्थियों के लिए यादगार रहेगी। सीईओ भावना कालरा ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

विकसित भारत के संकल्प में हरियाणा की अहम भूमिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने जींद में आयोजित ऐतिहासिक कार्यक्रम में देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन के शुभारंभ तथा प्रदेश में 14,700 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत एवं अभिनंदन किया। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत हरित ऊर्जा, आधुनिक परिवहन, मजबूत आधारभूत ढांचे और सतत विकास के नए युग में प्रवेश कर रहा है। देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का संचालन केवल हरियाणा ही नहीं, बल्कि पूरे भारत के लिए गर्व का विषय है। यह परियोजना स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण और अत्याधुनिक तकनीक की दिशा में देश की बढ़ती क्षमता का प्रतीक है। डॉ. शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा हरियाणा को 14,700 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात दिए जाने से प्रदेश में सडक़, रेल, पर्यटन और अन्य आधारभूत सुविधाओं का व्यापक विस्तार होगा। इन परियोजनाओं का लाभ आने वाले वर्षों में प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र तक पहुंचेगा और रोजगार, निवेश तथा आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

न्यूज डायरी

गोहाना। मिल परिसर में सफाई करते हुए अधिकारी और कर्मचारी।

चौ. देवीलाल चीनी मिल में चलाया सफाई अभियान

गोहाना। आहुलाना गांव स्थित चौ. देवीलाल चीनी मिल में शनिवार को सफाई अभियान चलाया गया। अभियान में मिल के अधिकारियों और कर्मचारियों ने कस्सी से मिल परिसर में उगी हुई घास की सफाई की। स्वच्छता कार्यक्रम का शुभारंभ मिल की प्रबंधक निदेशक अंकिता वर्मा के नेतृत्व में हुआ। कार्यक्रम में मिल के मुख्य लेखा अधिकारी जितेंद्र शर्मा, श्रम कल्याण अधिकारी अनिल कुमार शर्मा, चीनी विक्रय अधिकारी धनीराम शर्मा, क्रय अधिकारी संदीप नरवाल, उप मुख्य अभियंता अनिल चौहान, उप मुख्य रसायनविद् विभाष गुप्ता व मुख्य रसायनविद् देवेंद्र दहिया सहित मिल के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक श्रमदान कर मिल परिसर की साफ-सफाई एवं स्वच्छता अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रबंधक निदेशक अंकिता वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि श्रम का सम्मान, स्वच्छता, अनुशासन एवं सामूहिक सहभागिता किसी भी संस्थान की प्रगति का आधार है।

गोहाना। प्रतियोगिता में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते हुए शिक्षकगण।

अरावली और विंध्याचल हाउस की टीमें प्रथम घोषित

गोहाना। डीबीएम पब्लिक स्कूल, मदीना में शनिवार को अंतरसदनीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में अरावली, नीलगिरि, शिवालिक एवं विंध्याचल हाउस के विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित की। नेतृत्व स्कूल के एमडी विकास मलिक ने किया। प्रतियोगिता के वरिष्ठ वर्ग में अरावली हाउस और कनिष्ठ वर्ग में विंध्याचल हाउस की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य जगजीत मलिक ने विजेता टीमों को बधाई देते हुए प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के ज्ञान एवं व्यक्तित्व विकास के लिए अति उपयोगी हैं। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में शिक्षिका वर्षा और युक्ता का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का समापन विजेता टीमों को सम्मानित करने के साथ हुआ।

गन्नौर। नवनियुक्त छात्र परिषद के साथ गन्नौर मार्केट कमेटी के उपाध्यक्ष योगेश कौशिक व स्कूल स्टाफ।

प्रयास स्कूल में छात्र परिषद का शपथ ग्रहण समारोह

गन्नौर। प्रयास इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को नवनियुक्त छात्र परिषद का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के स्वर्गीय प्रबंध निदेशक डा. संजय जैन को श्रद्धांजलि और मां सरस्वती वंदना से हुई। मुख्य अतिथि गन्नौर मार्केट कमेटी के उपाध्यक्ष योगेश कौशिक ने छात्र प्रतिनिधियों को बैज पहनाकर जिम्मेदारियां सौंपीं। चारों सदनों के हाउस कैप्टन, वाइस हाउस कैप्टन, प्रिफेक्ट, हेड ब्वाय, हेड गर्ल सहित अन्य छात्र प्रतिनिधियों ने विद्यालय ध्वज के समक्ष ईमानदारी, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ दायित्व निभाने की शपथ ली। अमित बत्रा और प्रधानाचार्य सुरेंद्र छाबड़ा ने विद्यार्थियों से नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और सेवा भाव के साथ कार्य करने का आह्वान किया। समारोह में विद्यालय के प्रबंध निदेशक अमित बत्रा, निदेशिका डा. सुनीरा जैन, रुचिका बत्रा, ट्रस्टी एकलव्य जैन, उपप्रधानाचार्या दीपमाला मौजूद रहे।

खरखौदा। पौधारोपण करते के.डी स्कूल के शिक्षक एवं विद्यार्थी

केडी इंटरनेशनल में चलाया पौधरोपण अभियान

खरखौदा। के.डी. इंटरनेशनल स्कूल में पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया तथा विद्यालय के इको क्लब का औपचारिक गठन किया गया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा विद्यालय में हरित पहल को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें इको क्लब का सदस्य बनाया गया। इको क्लब के शिक्षक प्रभारी राजेश ने प्रथम पौधा लगाकर अभियान का शुभारंभ किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या तृप्ति सिंह ने विद्यार्थियों को प्रकृति संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनकी देखभाल करने तथा पर्यावरण को स्वच्छ एवं हरित बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इस अभियान में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी पूरे उत्साह एवं समर्पण के साथ सहभागिता की और विद्यार्थियों के साथ मिलकर पौधारोपण किया। पौधारोपण का ध्येय वाक्य था -आज पौधा लगाएँ, कल का भविष्य बचाएँ। कार्यक्रम का समापन ग्रीन प्लेज (हरित संकल्प) के साथ हुआ। जिसमें सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने, पौधों की रक्षा करने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए सदैव कार्य करने की शपथ ली।

खरखौदा। प्रस्तावित रथ यात्रा पर विचार विनिमय करते सेवक।

भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा आज

खरखौदा। ठाकुर जी की रसोई, जयनारायण धर्मशाला, खरखौदा के तत्वावधान में भगवान श्री जगन्नाथ जी की भव्य रथ यात्रा का आयोजन रविवार 19 जुलाई को किया जाएगा। ठाकुर जी की रसोई के सेवक नीरज गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि रथ यात्रा का शुभारंभ ठाकुर जी की रसोई, जयनारायण धर्मशाला, खरखौदा से होगा। यह यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए प्रताप कॉलोनी, दिल्ली चौक, थाना कलां चौक, ब्राह्मण दरवाजा एवं मुख्य बाजार से होकर पुनः ठाकुर जी की रसोई में संपन्न होगी। रथ यात्रा के समापन पर सभी श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गई है। इस दौरान भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा महारानी के दिव्य रथ के दर्शन का पुण्य लाभ श्रद्धालुओं को प्राप्त होगा। ठाकुर जी की रसोई के सेवकों ने नगरवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने परिवार सहित इस पावन एवं भव्य धार्मिक उत्सव में शामिल होकर भगवान श्री जगन्नाथ जी का आशीर्वाद प्राप्त करें तथा रथ यात्रा को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें।

एक समय तक रोजमर्रा की आपा-धापी, दुख और तनाव को दूर करने के लिए लाफ्टर क्लब्स को कारगर माना जाता था। लेकिन हाल के वर्षों में दुख-अवसाद से राहत दिलाने में क्रायिंग क्लब को ज्यादा कारगर माना जाने लगा है। इसीलिए विदेशों में ही नहीं अपने देश में भी इसका ट्रेंड बढ़ रहा है। ये क्रायिंग क्लब कैसे दुखों से राहत दिलाते हैं, यहां बता रहे हैं विस्तार से।

क्रायिंग क्लबों का बढ़ता ट्रेंड
मिलकर रोने से-दु:ख हो जाए कम

{ कवर स्टोरी / शाहिद ए. चौधरी }

एक दिन सुबह चहलकदमी करने के दौरान मैंने पार्क के एक कोने में कुछ बुजुर्गों को एक सुर में जोर-जोर से हंसते हुए देखा। अपने-अपने दु:खों को दूर करने, डिप्रेशन से बचे रहने और अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का उनका यह तरीका है। बीते कई वर्षों से दुनिया भर में हंसी को सबसे अच्छी दवा मानकर उसे अपनाने का ट्रेंड काफी पॉपुलर हो चुका है। यह देखकर अच्छा लगा। लेकिन संयोग रहा कि जब पार्क से घर लौटा तो दु:खद समाचार मिला कि पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्ति की दिल का दौरा पड़ने से डेथ हो गई। मैं शोक व्यक्त करने के लिए उनके घर पहुंचा तो देखा कि गुमसुम बैठी मृतक की पत्नी को अनेक महिलाएं रुलाने का प्रयास कर रही हैं और उनमें से एक को मैंने यह कहते हुए सुना, 'अरे, इन्हें रुला दो, कुछ तो गम गलत होगा, वर्ना सदमे की वजह से डिप्रेशन में चली जाएंगी।' इन दोनों घटनाओं से मैं इस नतीजे पर पहुंचा कि मनुष्य के लिए हंसने और रोने दोनों का बहुत अधिक महत्व है। वैसे भी कुदरत ने ये दोनों गुण इंसानों को ही दिए हैं। चोट लगने पर जानवर चिल्लाते अवश्य हैं, लेकिन इंसानों की तरह रोते नहीं हैं।

रोने के लिए बन रहे क्लब

आमतौर पर रोने को कमजोरी की निशानी मान लिया जाता है। शायद तभी सुदर्शन फाकिर ने अपने एक शेर में कहा है, 'आप कहते थे कि रोने से न बदलेंगे नसीब/उम्र भर आपकी इस बात ने रोने न दिया।' यह कहा भी भले ही जाता हो कि मर्द को दर्द नहीं होता या मर्द रोते नहीं हैं। लेकिन आज दुनिया भर के डॉक्टर्स इस बात को स्वीकार करते हैं कि रोने से मन हल्का होता है और कुछ लोगों के साथ मिलकर रोने से दु:ख से राहत महसूस होती है। इसलिए देश के कई शहरों में क्रायिंग क्लब खुल रहे हैं। देश-समाज का यह नवीनतम सामूहिक संस्कार है, जिसमें हंसी की जगह आंसुओं ने ले ली है। इनमें व्यक्ति उस समय तक रो सकता है, जब तक उसके दिल का बोझ हल्का न हो जाए और वह जिंदगी की नई शुरुआत करने के लिए तैयार न हो जाए।

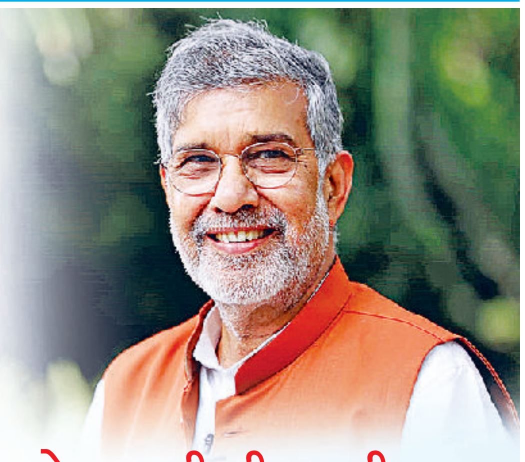

काफी लोग हो रहे शामिल

क्रायिंग क्लब, दशकों पुराने लाफ्टर क्लबों का जवाब-सा प्रतीत हो रहे हैं। मुंबई, दिल्ली, बैंग्लुरु और हैदराबाद में लोग कॉफी शॉप्स, पब्स में आयोजित होने वाले क्रायिंग सेशन में शामिल हो रहे हैं। सूरत में तो 'हेल्दी क्रायिंग क्लब' को चलते हुए अब आठ वर्ष हो गए हैं, जिसके सदस्य हर माह के अंतिम रविवार को एकत्र होते हैं और जी भरकर रोते हैं।

ऐसे हुई क्रायिंग क्लब की शुरुआत

सबसे पहले टोक्यो (जापान) के हिरोकी तेराई ने ग्रुप थेरेपी के तौर पर वर्ष 2013 में रुइ कत्सू (आंसू बहाना) आरंभ किया। पहले तेराई, तलाक समारोह आयोजित करने के लिए विख्यात थे, जिसमें पूर्व जोड़े अपनी शादी की अंगूठी पर हथोड़े मारते थे ताकि अपने अतीत के बोझ से मुक्त हो सकें। तेराई ने बाद में आक्रामकता को खत्म करते हुए इसका एक कोमल रूप विकसित किया, जिसमें हल्की रोशनी में भावनात्मक फिल्में देखी जाती हैं। आपसी सहमति से एक-दूसरे को खाना खिलाते हैं और क्रायिंग सेशन में लोग हिस्सा लेते हैं। अपने देश में 'स्मॉल वर्ल्ड' (डिजिटल से इतर रियल सोशल कनेक्शन को प्रमोट करने वाली संस्था) के संस्थापक सौरव आर्य ने क्रायिंग क्लब लांच किया। इसे शुरू करने के पीछे उनका तर्क यह था कि 'ऑनलाइन दोस्तों से घिरे रहने के बावजूद लोग अकेलापन महसूस कर रहे हैं।' इस क्लब के सत्र प्राइवेट कैफे व पब्स में आयोजित किए जाते हैं, जिनमें दोस्त के लिविंग रूम जैसा एहसास होता है। सेशन में सभी को बोलना जरूरी नहीं होता। बहुत से लोग दूसरों को सिर्फ सुनते हैं। सुनते हुए ही उसके दर्द को सुनकर या अपना दर्द यादकर वे रोने लगते हैं। सत्र में पुरुष और महिलाएं सभी भाग लेते हैं। आमतौर पर इसमें 20-40 वर्ष के लोग आते हैं।

रोने की विभिन्न वजहें

अमेरिका में रहने वाले 45 वर्षीय रमेश, मुंबई लौटे थे। वह ग्रुप एक्टिविटी की तलाश करते हुए एक ऐसी जगह पहुंच गए, जिसकी उन्हें उम्मीद भी न थी। एक क्रायिंग क्लब, जिसका आयोजन मुंबई के एक बार में हो रहा था, जो उन्हें दिलचस्प लगा, विशेषकर इसलिए कि उन्हें भी अपनी कुछ भावनाओं से मुक्ति पानी थी। रमेश को वह जगह नकारात्मक भावना दूर करने से अधिक संपर्क स्थापित करने वाली अधिक लगी, क्योंकि उनकी वहां ऐसे लोगों से बॉन्डिंग बनी, जो अपनी नकारात्मक भावनाओं से जूझ रहे थे। सच यही है कि ऐसे क्लबों में आने वाले लोगों के रोने के विविध कारण हो सकते हैं- ब्रेकअप, जीवन में अनपेक्षित परिवर्तन या नुकसान। अनाम थकान जिसे शब्दों में व्यक्त न किया जा सके। एक लड़की तो रोने के लिए केवल इसलिए क्रायिंग क्लब में पहुंची कि उसने पांच दिन से किसी से बात ही नहीं की थी। उसे अपने गुमनाम होने का एहसास हो रहा था। उसने सत्र में दो नए दोस्त बनाए। सत्र में शामिल होने की एक व्यक्ति ने यह वजह बताई, 'मुझे राहत नहीं चाहिए। मुझे तो बस वह जगह चाहिए, जहां मेरी उदासी को बरकरार रहने का अवसर मिले।'

सच यह है कि अलग-अलग स्थानों और परिवेश के लोग अलग-अलग तरह से रोते हैं। महानगरों में लोग बर्नआउट और अकेलेपन की वजह से रोते हैं। छोटे शहरों में रहने वाले लोग अकसर पारिवारिक या सामाजिक दबाव के कारण रोते हैं। ऐसे क्लबों में एक बार जब रोना बंद हो जाता है, तो आपसी समानुभूति का संपर्क स्थापित होना शुरू हो जाता है। लोग नए संपर्क और मुस्कान लेकर लौटते हैं। *

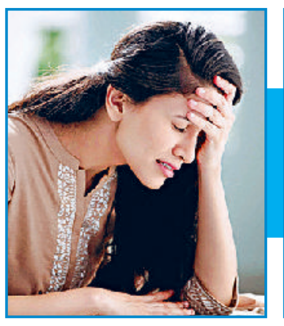

लाफ्टर मैन से बने क्रायिंग मैन

लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने कमलेश मसाला वाला को 'पहला लाफ्टर टीचर' घोषित किया था। तकरीबन आठ साल पहले उन्होंने तय किया कि लोगों को 25 साल तक बहुत हंसा लिया, अब उन्हें रुलाया जाए और उन्होंने 'हेल्दी क्रायिंग क्लब' की स्थापना सबसे पहले गुजरात के सूरत में की। गौरतलब है कि 2008 में मसाला वाला ने इंटरनेशनल लाफ्टर योग कांफ्रेंस के दौरान अविरल रोने की प्रतियोगिता जीती थी। उन्होंने अपनी दिवंगत माता को याद करके एकदम से रोना शुरू कर दिया था। बाद में उन्हें एहसास हुआ कि भावनात्मक आंसुओं में भी मेडिकल लाभ होते हैं। अब तो कई स्टडीज में सामने आया है कि जब हम दु:ख, तनाव या कुंठा की वजह से रोते हैं तो हमारा शरीर कोर्टिसोल स्ट्रेस हॉर्मोन उत्पन्न करता है। हंसने से जो आंसू निकलते हैं, उनमें यह हार्मोन नहीं होता है। यानी सुकून महसूस करने के लिए हंसी के साथ आंसू भी जरूरी हैं।

भूटान, ग्लोबल कंपैशन डिक्लेरेशन (जीसीडी) पर हस्ताक्षर करने वाला पहला देश बना है। क्या है यह डिक्लेरेशन और किस तरह समाज की चुनौतियों से निपटने में यह सहायक हो सकता है? इसके साथ ही कुछ ज्वलंत सवालों पर नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी ने साझा किए अपने विचार।

दूसरे की तकलीफ को अपनी पीड़ा की तरह महसूस करने से जन्मती है करुणा की शक्ति

{ विशिष्ट अभिव्यक्ति/ कैलाश सत्यार्थी }

हाल ही में हमारे पड़ोसी देश भूटान ने ग्लोबल कंपैशन डिक्लेरेशन (जीसीडी) पर हस्ताक्षर किया है। ग्लोबल कंपैशन डिक्लेरेशन, एक महत्वपूर्ण, अनूठा दस्तावेज है। पिछले साल सितंबर में संयुक्त राष्ट्र संघ के महाधिवेशन में सत्यार्थी मूवमेंट फॉर ग्लोबल कंपैशन ने मोनाको देश की सहभागिता में एक विशेष बैठक आयोजित किया, जो करुणा के वैश्वीकरण से शासन तंत्र को करुणामय बनाने के विचार से आयोजित किया गया था। उस उच्च स्तरीय बैठक में राष्ट्राध्यक्ष, संयुक्त राष्ट्र संघ के वरिष्ठ अधिकारी, नोबेल पुरस्कार विजेता और मानवाधिकार कार्यकर्ता शामिल हुए थे। इसमें संवाद के बाद जो सहमति बनी, वह एक घोषणापत्र के रूप में सामने आई, जिसमें सबसे बड़ी बात यह थी कि उन्होंने करुणा की हमारी बदली परिभाषा को स्वीकार किया। सामान्य तौर पर करुणा को एक नाजुक भाव मान लिया जाता है। हमारी परिभाषा में करुणा वह शक्ति है, जो दूसरे की तकलीफ को अपनी पीड़ा की तरह महसूस करने से जन्मती है और उसके समाधान की प्रेरणा शक्ति बनती है। इसी के आधार पर समाज के हर क्षेत्र में विवेकपूर्ण समाधान की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए यह घोषणापत्र तैयार हुआ। भूटान पहला देश है, जिसने इसे अनुमोदित किया और वहां के प्रधानमंत्री ने इस पर हस्ताक्षर किया। बाद में एक अन्य छोटे से देश तिमोर लेस्ते ने भी हस्ताक्षर किया।

विकसित करना होगा करुणामय नेतृत्व: आज जब समाधानकर्ताओं और पीड़ितों के बीच खाई चौड़ी होती चली जा रही है, तब यह आवश्यक है कि शासन व्यवस्था, शिक्षा, चिकित्सा, न्याय, मीडिया आदि में करुणामय नेतृत्व विकसित किया जाए। इसका अर्थ यह हुआ कि इन सभी संस्थाओं या क्षेत्रों में लोग दूसरे की समस्याओं को अपना समझकर उसके निपटान के लिए नेतृत्व करें। यह काम लगातार व्यावहारिक प्रशिक्षण संवाद और अनुभवजनित ज्ञान जैसे प्रयोगों से संभव है। ऐसे कुछ वैज्ञानिक शोध हुए हैं, जिनसे साबित हुआ है कि अस्पतालों में चिकित्साकर्मियों के करुणाजनित व्यवहार के परिणामस्वरूप मरीजों का जल्दी और प्रभावशाली उपचार हो सका। इसी तरह कॉरपोरेट जगत में करुणामय नेतृत्व के कारण प्रबंधन में परस्पर विश्वास और सक्रिय भागीदारी, कर्मचारियों में संतोष, उत्साह और कंपनियों में उत्पादन-मुनाफा बढ़ गया।

युद्ध का खामियाजा भुगतते हैं बच्चे: यह पूरी मानवता के लिए बेहद चिंताजनक तथ्य है कि आज दुनिया में लगभग 47 करोड़ बच्चे युद्धग्रस्त क्षेत्रों में रहने को विवश हैं। हम सबको यह समझना जरूरी है कि इतिहास में बच्चे कभी युद्ध का कारण नहीं रहे। न ही कभी वे युद्ध लड़ते हैं। परंतु युद्ध का सबसे ज्यादा खामियाजा उन्हीं को भुगतना पड़ता है। परिवार से बिछड़ना, पढ़ाई छूट जाना, मनोवैज्ञानिक और मानसिक आघात जैसे स्थाई घाव उनके पूरे जीवन को प्रभावित करते हैं। दुर्भाग्य है कि वे हमारी राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय प्राथमिकता नहीं हैं। यदि वैश्विक नेताओं, नेतृत्वकर्ताओं ने अपनी जिम्मेदारी को ठीक से समझा होता तो दुनिया भर में इतने बच्चे असमय मौत के मुंह में न समाते।

आवश्यक है करुणामय शिक्षा प्रणाली: जब तक शिक्षा का उद्देश्य खुद की और देशों की आर्थिक तरक्की मात्र रहेगा, तब तक नागरिक स्वार्थी और आत्मकेंद्रित बनते रहेंगे। इसलिए जरूरी है कि पाठ्यक्रम और शिक्षा नीतियों के माध्यम से बच्चों में एक-दूसरे के प्रति नैतिक जवाबदेही का भाव सिखाया जाए, जिसे हम करुणामय शिक्षा प्रणाली कहते हैं।

तभी होगा वैश्विक चुनौतियों का समाधान: आज दुनिया के सामने मौजूद प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी तमाम वैश्विक चुनौतियों के लिए कई कारण जिम्मेदार हैं। सबसे बड़ा कारण कथनी और करनी का अंतर है। उपभोक्तावाद, औद्योगीकरण और मुनाफा पर आधारित जीवनशैली, पृथ्वी और पर्यावरण के विनाश का बड़ा कारण है। दूसरा कारण, इस दिशा में राजनैतिक इच्छा शक्ति का अभाव है। तीसरा, पर्यावरण विनाश और संरक्षण एकदेशीय नहीं हो सकता। यह धरती पर रहने वाले सभी लोगों को प्रभावित करता है। कम आबादी वाले अमीर देश, ज्यादा आबादी वाले गरीब देशों से कहीं अधिक कार्बन उत्सर्जन करते हैं। इसलिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जवाबदेही तय होनी चाहिए।

पर्यावरण संरक्षण के लिए मिसाल है भूटान: भूटान ने ऐसे कई प्रयोग किए हैं, जो पर्यावरण, मानवता और संस्कृति की रक्षा के लिए जाने जाते हैं। इसमें ग्रॉस हैप्पीनेस इंडेक्स भी शामिल है। खुशी के इस पैमाने को दूसरे कई देश भी मानते हैं। साथ ही भूटान के संविधान में यह प्रावधान है कि देश का सत्तर प्रतिशत जमीन वन क्षेत्र रहेगा, जिससे जैव विविधता और पर्यावरणीय संतुलन बना रहे। वहां के महाराज, जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक और राजकुमारी सोनम जी सहित राजपरिवार, देश के मुख्य न्यायाधीश और अनेक राजनेताओं के साथ करुणामय समाज बनाने पर ठोस सहमति बनी, जिसे हम मिलकर लागू करने का समयबद्ध कार्यक्रम बना रहे हैं। *

प्रस्तुति: सरस्वती रमेश

{ लघुकथाएं }

यादों का बैंक

शहर में एक नया बैंक खुला-यादों का बैंक। यहां लोग पैसे नहीं, अपनी यादें जमा करते थे। खुशियों की यादों पर अच्छा ब्याज मिलता था, जबकि दुखद यादें हटाने के लिए लोग फीस देते थे।

एक दिन पचपन वर्षीय अजित वहां पहुंचा। उसने अपनी सबसे प्रिय याद जमा करने का फॉर्म भरा। कर्मचारी ने पूछा, 'कौन-सी याद है?'

अजित मुस्कुराया, 'वह दिन, जब मेरा पांच साल का बेटा पहली बार साइकिल चलाते हुए गिर पड़ा था। रोते-रोते फिर उठा और बोला-पापा, मैं हारूंगा नहीं।'

बैंक कर्मचारी चौंका, 'इतनी प्यारी याद क्यों जमा करना चाहते हैं? इस पर तो आपको अच्छा लाभ मिलेगा।'

अजित ने धीमे स्वर में कहा, 'इसलिए क्योंकि मेरा बेटा अब इस दुनिया में नहीं है। उसकी याद हर दिन मुझे रुलाती है।'

याद बैंक की मशीन ने अजीत की उस स्मृति को उसके मन से निकाल कर जमा कर लिया। अजित हल्का महसूस करने लगा।

कुछ महीने बाद वह फिर बैंक पहुंचा। इस बार उसके चेहरे पर बेचैनी थी, 'मुझे अपनी जमा की हुई याद वापस चाहिए।' उसने बैंक कर्मी से कहा।

'लेकिन क्यों? आपने तो दर्द से छुटकारा पाने के लिए उसे जमा किया था!' अजित की आंखें भर आईं। वह बोला, 'दर्द चला गया, पर उसके साथ मेरा बेटा भी चला गया। अब मैं रोता नहीं, लेकिन मुस्कुरा भी नहीं पाता। समझ में आया कि कुछ दुख बोझ नहीं होते, वे हमारे अपनों के आखिरी निशान होते हैं।'

बैंक कर्मी ने उसकी याद लौटा दी। बैंक से बाहर निकलते समय अजित की आंखों में आंसू थे, पर होंठों पर मुस्कान भी। उसे पहली बार लगा कि हर घाव भर जाना जरूरी नहीं, कुछ घाव ही हमें इंसान बनाए रखते हैं। *

-कृति आरके जैन

श्रम का संगीत

पत्नी खर्राटे ले रही थी। पति की नींद खर्राटे की आवाज से टूट गई थी।

यह पहली ही बार था, जब पति को पत्नी के खर्राटे सुनने का अवसर मिला था। रोज तो पत्नी ही पति के खर्राटे की वजह से नींद टूटने की शिकायत किया करती थी, आज पति को यह मौका मिल गया था!

बस सुबह होने की प्रतीक्षा थी।

पति फिर से सोने की कोशिश करने लगा। आंखें मूंदते ही पत्नी की दिनचर्या उसकी आंखों के आगे आ गई, सुबह-सुबह उठना, बच्चों को तैयार करना, नाश्ता कराना, स्कूल बस तक छोड़ना। आकर पति को जगाना, चाय पिलाना। नाश्ते और लंच की तैयारी में लग जाना। पति के कपड़े निकालकर रखना। उनको नाश्ता कराना। उनका लंच पैक करना। पति के जाने के बाद घर की साफ-सफाई और गंदे कपड़ों को वॉशिंग मशीन में डालना। नहाना-धोना, पूजा-पाठ, नाश्ता करना। बच्चों को स्कूल से लाना। खिलाना-पिलाना, उनको होमवर्क करवाना। शाम में बच्चों को पार्क ले जाना। फिर साग-सब्जी, दूध, फल और जरूरी सामानों की खरीदारी करना। सबके लिए रात का खाना पकाना। पति के आने पर उन्हें चाय-पानी देना। बच्चों को खिलाकर पति के साथ खाने बैठना। थोड़ी देर टीवी पर कोई सीरियल देखना और फिर सो जाना।

'यह खर्राटा तो श्रम का संगीत है!' पता नहीं कहां से पति के मन में यह साहित्यिक भाव आया?

पत्नी के खर्राटे अब उसे संगीतमय लगने लगे। खर्राटों से उसे अब कोई शिकायत नहीं रही। *

- संजीव ठाकुर

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

संवेदना से भरी कहानियां

चार दशक से अधिक समय से कहानी लेखन में सक्रिय वरिष्ठ लेखक गोविंद सेन की चयनित कहानियों का संकलन कुछ समय पूर्व प्रकाशित होकर आया है। इसमें उनकी अठारह कहानियां संकलित हैं।

ये कहानियां जीवन की विडंबनाओं और रिश्तों की पेचीदगियों को उजागर करने के साथ ही हमारी संवेदनाओं को झकझोरती भी हैं। मिसाल के तौर पर 'स्पीड ब्रेकर' कहानी मानवीय मनोवृत्ति को सामने लाती है, जिसमें पढ़े-लिखे व्यक्ति के मन में सहज तौर पर हीनभावना जन्म लेती है, जब उसे अपने से कम शिक्षित व्यक्ति, आर्थिक रूप से अधिक संपन्न दिखता है।

गरीब तबके के लोगों का जीवन, किस तरह छोटी-छोटी चीजों से भी वंचित रहने का दंश सहता रहता है, इसका मार्मिक वर्णन 'गुमशुदा चांद की वापसी' में किया गया है। संग्रह की एक छोटी सी कहानी 'दाढ़ी' में बहुत सरलता से सामाजिक विषमता की दुखती रग पर अंगुली रखी गई है।

संग्रह की लगभग सभी कहानियां पठनीयता से भरपूर हैं। इन कहानियों में न तो किसी वाद का झंडा उठाया गया है, न ही किसी विमर्श को लेकर हाय-तौबा की गई है। जानबूझ कर गढ़े गए शिल्प और भाषायी कलाबाजियों से मुक्त ये कहानियां बहुत सरल और सहज तरीके से हमारे मन के किसी कोने में हमेशा के लिए दर्ज होने में सक्षम हैं। *

किताब: चयनित कहानियां (कहानी-संग्रह), **लेखक:** गोविंद सेन, **मूल्य:** 225 रुपए, **प्रकाशक:** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

लोक-संस्कृति / शिखर चंद जैन

दुनिया के अनेक देशों की संस्कृतियों में बादल और बारिश को उम्मीद, समृद्धि और जीवन का संदेशवाहक माना जाता है। इसी खुशी को अलग-अलग देशों में अनूठे उत्सवों, लोक-परंपराओं, प्रार्थनाओं, नृत्य और सामुदायिक अनुष्ठानों के जरिए उत्साहपूर्वक मनाया जाता है। वर्षा ऋतु से जुड़े ऐसे ही कुछ उत्सवों पर एक नजर।

दुनिया भर में मनाते हैं रंग-बिरंगे वर्षा उत्सव

वर्षा प्रार्थना महोत्सव, वियतनाम

मार्च के शुष्क मौसम में वियतनाम के हा जियांग प्रांत में लो लो समुदाय के लोग पारंपरिक नृत्य और प्रार्थना के माध्यम से बादलों से पानी बरसाने की गुहार लगाते हैं। इसमें तांबे के प्राचीन ड्रम बजाना और पुजारी (शमन) द्वारा प्राकृतिक शक्तियों को प्रसन्न करने वाले मंत्रोच्चार शामिल होते हैं, जिसके बाद सामूहिक भोज का आयोजन होता है। वियतनाम का एक अन्य श्वेत थाई अल्पसंख्यक समुदाय जेन, बारिश के आगमन पर फोन महोत्सव मनाता है। यह उत्सव उत्तर-पश्चिमी वियतनाम की माई चाऊ की खूबसूरत घाटी में होता है। इस उत्सव में गांव के लोग पारंपरिक वाद्ययंत्र बजाते हैं, सामूहिक रूप में लोक गीत गाते हैं और अच्छी बारिश की कामना के लिए अनुष्ठान करते हैं। वियतनाम में रहने वाले जराई समुदाय के लोग प्ली ओई नामक वर्षा प्रार्थना उत्सव, किसी राष्ट्रीय ऐतिहासिक-सांस्कृतिक स्थल पर सामूहिक तौर पर मनाते हैं। यह आयुन हा कम्यून और जिया लाई प्रांत में मनाया जाता है। *

मकाहिकी उत्सव, अमेरिका

अमेरिका के हवाई द्वीप में मनाया जाने वाला मकाहिकी उत्सव वर्षा ऋतु, उर्वरता और शांति के देवता 'लोनो' को समर्पित है। चार महीनों तक चलने वाले इस पारंपरिक लोक उत्सव में कृषि कार्यों को रोककर दावतें, संगीत और पारंपरिक नृत्य किए जाते हैं। भरपूर वर्षा और उससे उपजी फसल के लिए देवता को धन्यवाद दिया जाता है। इस उत्सव के दौरान किसी भी तरह का विवाद, झगड़ा करना वर्जित होता है। सभी मिलकर प्रेम और सौहार्द के साथ सामूहिक तौर पर पहली बारिश का जश्न मनाते हैं। *

बरशा बंदोना, बांग्लादेश

हमारे पड़ोसी देश बांग्लादेश में आषाढ़ महीने के पहले दिन मनाए जाने वाले इस उत्सव बरशा बंदोना में संगीत, कविता पाठ और साल की पहली बारिश में स्नान करने की अनूठी परंपरा है। इस उत्सव में ग्रामीण महिलाएं आसमानी नीले रंग की साड़ियां पहनकर बादलों का स्वागत करती हैं। वर्षा का आह्वान करती हैं। *

हरियाली तीज पर झूला झूलती महिलाएं

प्रकृति से जुड़ाव का पर्व साओ जोआओ

भारत में मनाए जाने वाले वर्षा उत्सव

अपने देश भारत के अलग-अलग भागों में भी बारिश के आगमन पर, इसके स्वागत के लिए कई पारंपरिक उत्सव मनाए जाते हैं।

हरियाली तीज: राजस्थान समेत उत्तर भारत के कई राज्यों के ग्रामीण और आंचलिक क्षेत्रों में वर्षा ऋतु के आगमन पर प्रकृति की हरियाली और बादलों का स्वागत करने के लिए हरियाली तीज पर्व मनाते हैं। इस पर्व से धार्मिक आस्था भी जुड़ी हुई है। महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करती हैं और व्रत रखती हैं। इसके अलावा आपसी समुदाय और आस-पड़ोस की महिलाएं किसी बाग-बगीचे में सामूहिक तौर पर झूलती हैं और पारंपरिक लोकगीत गाती हैं।

साओ जोआओ: मानसून की शुरुआत में गोवा में मनाया जाने वाला अनोखा त्योहार है, साओ जोआओ। इस पर्व में युवा मानसूनी बारिश के पानी से भरे कुओं और तालाबों में कूदकर प्रकृति के इस उपहार का जश्न मनाते हैं। इस उत्सव पर लोग सिर पर फलों के मुकुट भी पहनते हैं। इस तरह यह पर्व प्रकृति से हमारे जुड़ाव और उस पर निर्भरता को प्रकट करता है।

सापुतारा मानसून महोत्सव: गुजरात राज्य में मनाया जाने वाला सापुतारा मानसून महोत्सव, भारत के चुनिंदा उत्सवों में से है जो विशेष रूप से आसमान में तैरते बादलों, धुंध और बारिश के मनोरम मौसम को समर्पित है। इस पर्व से भी स्थानीय लोक संस्कृति की कई परंपराएं जुड़ी हुई हैं।

लोंगटैटो महोत्सव, चीन

चीन में मनाए जाने वाले पारंपरिक त्योहार लोंगटैटो में लोग बारिश के देवता माने जाने वाले 'ड्रैगन' के प्रति अपनी आदरांजलि अर्पित करते हैं, ताकि वे प्रसन्न रहें और उनकी कृपा से पूरे वर्ष कृषि के लिए अच्छी वर्षा होती रहे। 'लोंगटैटो' का शाब्दिक अर्थ 'अजगर (ड्रैगन) का अपना सिर उठाना' होता है। प्राचीन काल में चीन के निवासियों का मानना था कि इस दिन के बाद बारिश बढ़ जाती है, क्योंकि बारिश लाने वाला ड्रैगन राजा अपनी सर्दियों की नींद से जाग जाता है। इस त्योहार की सबसे प्रसिद्ध परंपरा इस दिन बाल कटवाना है। चीनी लोगों का मानना है कि इस दिन नाई के पास जाना या बाल कटवाने से दुर्भाग्य दूर होता है और पूरे साल अच्छी किस्मत बनी रहती है। इस दिन लोग 'ड्रैगन' नाम से जुड़े या ड्रैगन के अंगों का प्रतीक माने जाने वाले व्यंजन खाते हैं, जैसे- ड्रैगन की मूंछों वाले नूडल्स (लॉन्गक्सू नूडल्स) और पकौड़ी, ताकि अच्छी फसल और मौसम के लिए अपने भोजन के जरिए भी प्रार्थना की जा सके। *

लक्ष्य निर्धारण से मिलेगी करियर में निश्चित सफलता

बदलते दौर में किसी करियर में सफल होने के लिए केवल मेहनत नहीं, बल्कि निश्चित लक्ष्य और सही दिशा का होना भी जरूरी है। स्पष्ट लक्ष्य व्यक्ति को अवसर पहचानने, बेहतर निर्णय लेने और निरंतर सीखते रहने की प्रेरणा देते हैं। अपना लक्ष्य कैसे निर्धारित करें, किस तरह उसे प्राप्त करें, बहुत उपयोगी सलाह।

सेल्फ इंप्रूवमेंट / नरेंद्र कुमार

मशहूर करियर काउंसलर रिचर्ड एन. बोलस ने अपनी किताब 'व्हाट कलर इज योर पैराशूट' में लिखा है, 'करियर में ऊंची उड़ान भरनी है तो पहले अपनी मंजिल तय करें।' तकनीक, एआई, ऑटोमेशन और बदलते रोजगार बाजार ने करियर की दुनिया को पूरी तरह से बदल दिया है। आज सफलता केवल कड़ी मेहनत से नहीं मिलती बल्कि उस सही दिशा से मिलती है, जिसे लक्ष्य निर्धारण या गोल सेटिंग कहा जाता है।

लक्ष्य देता है स्पष्ट दिशा: मानव मस्तिष्क तब सबसे प्रभावी ढंग से काम करता है, जब उसे स्पष्ट उद्देश्य हासिल होता है। मनोविज्ञान बताता है कि लक्ष्य हमारे ध्यान, ऊर्जा और निर्णयों को एक दिशा में केंद्रित करते हैं। बिना लक्ष्य के व्यक्ति अनेक काम करता है, लेकिन उसकी ऊर्जा बिखर जाती है। जबकि स्पष्ट लक्ष्य उसे बताते हैं कि कौन-सा काम महत्वपूर्ण है और कौन-सा बिना किए भी चल जाएगा। यही कारण है कि उद्यमी, वैज्ञानिक, खिलाड़ी और प्रशासक अपने बड़े उद्देश्यों को छोटे-छोटे लक्ष्यों में बांटकर काम करते हैं।

गोल सेटिंग से बढ़ती उत्पादकता: स्पष्ट लक्ष्य व्यक्ति को समय का महत्व समझाता है। जब किसी व्यक्ति के पास निर्धारित लक्ष्य होता है, तो वह लगातार सीखने के लिए प्रेरित होता है। मसलन यदि किसी का उद्देश्य साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ बनना है तो नेटवर्किंग, क्लाउड सिक्योरिटी, एथिकल हैकिंग और एआई आधारित सुरक्षा प्रणालियों का लगातार अध्ययन करता है। वास्तव में यही सीखने की प्रवृत्ति भविष्य में उसकी बड़ी ताकत बनती है।

निर्णय लेना सीखिए: करियर में हर दिन छोटे-बड़े निर्णय लेने होते हैं- नई नौकरी स्वीकार या नहीं, कौन-सा कोर्स करें, किस तकनीक को सीखें, किस अवसर को छोड़ दें? ये ऐसी बातें हैं जो हर उस व्यक्ति के सामने आती ही आती हैं, जो अभी अपने करियर में आगे बढ़ने की दिशा में होता है। ऐसे में यदि आपका लक्ष्य स्पष्ट है तो निर्णय लेना सरल हो जाता है, क्योंकि हर विकल्प को उसी कसौटी पर परखा जाता है कि वह हमें हमारे उद्देश्य के कितना निकट ले जाएगा।

छोटे-छोटे लक्ष्य प्राप्त करें: जब व्यक्ति छोटे लक्ष्य पूरा करता है तो उसका अपनी क्षमता पर भरोसा बढ़ने लगता है। वास्तव में यही आत्मविश्वास उसे बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रेरित करता है और यही आत्मविश्वास बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए उसका आधार बनता है। करियर की लंबी यात्रा में यह मानसिक ताकत बेहद जरूरी होती है।

ऐसे डिसाइड करें टार्गेट

कुछ करियर काउंसलर लक्ष्य तय करने के मामले में एक स्मार्ट मॉडल अपनाने की सलाह देते हैं। उनके अनुसार ऐसे लक्ष्य बनाएं, जो बिल्कुल स्पष्ट हों, जिसे हासिल किया जा सके, यानी जो आपकी क्षमताओं के अनुकूल हों। लक्ष्य ऐसा हो, जो वर्तमान समय में प्रासंगिक करियर हो, जिस तक एक समयबद्ध रफ्तार से पहुंचा जा सके।

बदलें अपनी रणनीति: जिन लोगों के पास कोई स्पष्ट लक्ष्य नहीं होता, वे एक समय के बाद ठहर जाते हैं। कोई परियोजना अपेक्षित परिणाम नहीं देती है। ऐसे में वे बार-बार असफल होने लगते हैं। लेकिन जिनके पास अपने लक्ष्य की स्पष्ट दिशा होती है, वे इन बातों से परेशान नहीं होते। वे अपनी रणनीति बदलते हैं, सीखते हैं और फिर आगे बढ़ जाते हैं।

मजबूत नेटवर्क बनाएं: जब व्यक्ति के करियर का अपना लक्ष्य तय होता है, तो वह अपने तय लक्ष्य के वरिष्ठों और विशेषज्ञों के साथ नेटवर्किंग मजबूत करता है, क्योंकि उसे पता होता है कि आज नहीं तो कल उसे इन्हीं के साथ काम करना है। यह नेटवर्क इसके लिए बहुत काम का साबित होता है। *

स्टेपिंग स्टोंस खूबसूरत रिवर क्रॉसिंग

नेचुरल प्लेस / बाल मुकुंद ओझा

लंदन, दुनिया के अग्रणी पर्यटन स्थलों में से एक है। यहां अगर तापमान 22 डिग्री सेल्सियस हो तो यह अच्छे मौसम का परिचायक माना जाता है। लंदन प्रवास के दौरान एक दिन ऐसे ही अनुकूल मौसम का फायदा उठाते हुए हमने सपरिवार घूमने का प्रोग्राम बनाया और पहुंच गए बॉक्स हिल की तलहटी पर बहने वाली मोल नदी पर बने मशहूर स्टेपिंग स्टोंस पर।

खूबसूरत वॉकिंग प्लेस: मोल नदी, दक्षिणी इंग्लैंड में टेम्स नदी की एक सहायक नदी है। यह गैटविक एयरपोर्ट के पास वेस्ट ससेक्स में निकलती है और सरे शहर से उत्तर-पश्चिम में 80 किमी. बहकर हैंपटन कोर्ट पैलेस में टेम्स नदी तक पहुंचती है। यह नदी सरे जिले के मोल वैली को अपना नाम देती है। यह खूबसूरत वॉकिंग प्लेस, साउथ लंदन स्थित हमारे घर से लगभग 50 किमी. दूर ही है। स्टेपिंग स्टोंस, सरे काउंटी स्टेट के इस हिस्से में एक मशहूर जगह है और नदी को बहते हुए बिल्कुल करीब से देखने के लिए यह एक परफेक्ट जगह है।

इसे पार करना है रोमांचक: स्टेपिंग स्टोंस, पत्थरों का एक सेट है, जिसे एक काम चलाऊ रास्ता बनाने के लिए लगाया गया है। यह पैदल चलने वालों को एक प्राकृतिक नदी के रास्ते से होकर ले जाता है। ये स्टोन यानी पत्थर विक्टोरियन जमाने से बॉक्स हिल आने वाले पर्यटकों का पसंदीदा स्थल रहे हैं। बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक, पत्थर से पत्थर पर कदम रखते हैं और बिना फिसले संतुलन बनाए रखने की कोशिश करते हैं। ये बैलेंस ब्लॉक, शारीरिक गतिविधि और सक्रिय प्रयास को बढ़ावा देते हैं। विशेषकर बच्चे, किशोर और युवाओं को ये स्टेपिंग स्टोंस, पूरे शरीर के व्यायाम के लिए कूदने, खिंचाव, चढ़ाई और संतुलन बनाने के लिए प्रेरित करते हैं। मैंने भी नदी को इन लगभग 15 स्टेपिंग स्टोंस पर चलकर पार किया। कई बार बैलेंस बिगड़ा मगर तुरंत संभल भी गया। एक बारगी तो ऐसे लगा जैसे इस बार तो गिर ही जाऊंगा, मगर इन स्टेपिंग स्टोंस को आखिर पार कर ही लिया।

दूसरी तरफ हैं शानदार नजारे: एक बार स्टेपिंग स्टोन पार करने के बाद, रास्ता नदी के साथ-साथ चलता है, जहां से पानी और आस-पास की मंत्र मुग्ध कर देने वाली हरियाली के खूबसूरत नजारे दिखते हैं। बॉक्स हिल स्टेपिंग स्टोंस वॉक, सरे हिल्स नेशनल लैंडस्केप में 3.2 किमी. का हाइकिंग रूट है। लगभग 1 घंटे में 477 फीट की चढ़ाई चढ़ लेते हैं। वॉक का यह हिस्सा थोड़ा मुश्किल है, लेकिन बहुत रोमांचक है। *

बराक नदी केवल जलधारा नहीं, बल्कि ब्रहमपुत्र के बाद उत्तर-पूर्व भारत की अर्थव्यवस्था, कृषि, संस्कृति और पारिस्थितिकी की दूसरी महत्वपूर्ण जीवन रेखा है। इस नदी की विशेषताओं के बारे में जानिए।

पूर्वोत्तर भारत की दूसरी जीवन रेखा बराक नदी

विशिष्ट नदी / वीना गौतम

नदियां जीवनदायिनी होती हैं। नदी किनारे ही दुनिया की सभी सभ्यताएं व संस्कृतियां फली-फूली हैं। पूर्वोत्तर भारत की नदियों की बात करें, तो ब्रह्मपुत्र के बाद बराक नदी, दूसरी महत्वपूर्ण नदी है। बराक नदी के बारे में कहा जाता है कि यह केवल एक जलधारा नहीं है बल्कि एक जीवंत सभ्यता, संस्कृति और पारिस्थितिकी का आधार है।

उद्गम और अपवाह तंत्र: बराक नदी मणिपुर से निकलती है और असम की बराक घाटी से होकर बहती है। बराक घाटी से आगे बढ़कर यह बांग्लादेश में प्रवेश कर जाती है और वहां यह मेघना नदी घाटी तंत्र का हिस्सा बन जाती है। मणिपुर में जहां बराक नदी का जन्म होता है, वहां यह छोटी-छोटी धाराओं के रूप में आगे बढ़ती है और फिर आगे चलकर एक विशाल नदी का रूप ले लेती है। इसकी कुल लंबाई 900 किलोमीटर है और इसका प्रवाह क्षेत्र मणिपुर, मिजोरम और असम है। बांग्लादेश में घुसने के बाद यह दो धाराओं में बंट जाती है। एक सूरमा और दूसरा कुशियारा। जब यह मेघना नदी घाटी तंत्र का हिस्सा बनकर बंगाल की खाड़ी में गिरती है, उस समय यह भारत और बांग्लादेश के बीच एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय जलधारा का रूप ले लेती है।

पारिस्थितिकीय महत्व: बराक नदी का बेसिन जैव-विविधता का समृद्ध केंद्र है। घने वनों, वेटलैंड और मैदानों से भरपूर इलाकों से गुजरती बराक नदी, दर्जनों किस्म की मछलियों, सैकड़ों किस्म के बहुरंगी पक्षियों और मीठे अन्न की उपजाऊ फसलों का समृद्ध ठिकाना है। इस नदी में नियमित बाढ़ आती है। लेकिन यह बाढ़ यहां जितना प्रत्यक्ष नुकसान करती है, उससे कई गुना ज्यादा अपने साथ उर्वरक मिट्टी लाकर खेती का जरिया भी बनती है।

पूर्वोत्तर की कृषि-अर्थव्यवस्था में योगदान: पूर्वोत्तर के कृषि जीवन में इस नदी का योगदान ब्रह्मपुत्र नदी से भी ज्यादा है। असम के लाखों लोगों के जीवन जीने का यह मुख्य आधार है। धान, जूट और सब्जियों की खेती, इस नदी के उर्वरक मिट्टी की देन है। बाढ़ के कारण यह हर साल जो उपजाऊ मिट्टी लेकर आती है, वह एक तरह से उत्तर पूर्व का खाद्यान्न भंडार भरती है। असल में यह नदी जल परिवहन का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। बराक नदी केवल जल का नहीं बल्कि कृषि, रोजगार और आर्थिक स्थिरता का भी स्रोत है।

ऐतिहासिक-सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व: बराक नदी के किनारे बसे गांवों में त्योहारों पर अकसर मेलों का आयोजन होता है, जो जल और प्रकृति दोनों के प्रति आस्था और श्रद्धा का आधार हैं। बराक नदी के किनारे बंगाली और दूसरे समुदायों का निवास है, जिनकी सांस्कृतिक पहचान में इस नदी का महत्वपूर्ण योगदान है। इतिहास में बराक नदी ने उत्तर-पूर्व को अन्य क्षेत्रों से जोड़ने का महत्वपूर्ण काम किया था। प्राचीन और मध्यकाल में यह व्यापारिक मार्ग रही है। सिलचर जैसा सांस्कृतिक शहर इसी नदी के किनारे विकसित हुआ है।

संरक्षण है जरूरी: उत्तर-पूर्व की यह दूसरी सबसे महत्वपूर्ण नदी कई तरह की समस्याओं, जैसे- प्रदूषण, अवैध रेत खनन, जलवायु परिवर्तन आदि का सामना कर रही है। यदि इसका संरक्षण न हुआ तो पूर्वोत्तर भारत की यह दूसरी जीवनरेखा संकट में पड़ सकती है। *

मर्लिन मुनरो से इंस्पायर रहीं बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस

हॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में शामिल रहीं मर्लिन मुनरो ने दुनिया भर के दर्शकों को ही नहीं, हिंदी सिनेमा की कई फेमस एक्ट्रेसेस को भी इंस्पायर किया। मर्लिन मुनरो की जन्मशती केवल एक एक्ट्रेस को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि उस खूबसूरती, ग्लैमर और व्यक्तित्व के प्रभाव को समझने का भी समय है।

ग्लैमर आइकन / डी. जे. नंदन

साल 2026, 20वीं सदी की सबसे मशहूर हॉलीवुड एक्ट्रेस में से एक मर्लिन मुनरो का जन्मशती वर्ष है। मर्लिन मुनरो की जन्मशती केवल हॉलीवुड के लिए खास नहीं है, बॉलीवुड के लिए भी यह विशेष है। क्योंकि बॉलीवुड में भी मर्लिन मुनरो के ग्लैमर ने न केवल अपनी स्थाई छाप छोड़ी है बल्कि आज भी बॉलीवुड के ग्लैमर में मर्लिन मुनरो की साफ-साफ मौजूदगी देखी जा सकती है।

मधुबाला

जीनत अमान

हालांकि मर्लिन ने कभी-भी बॉलीवुड की कोई फिल्म नहीं की, लेकिन उनकी छवि, उनका ग्लैमर, उनका फैशन सेंस और कैमरे के सामने उनकी सहज आत्मविश्वास से भरी मौजूदगी ने बॉलीवुड की कई पीढ़ियों को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से प्रभावित किया है।

बॉलीवुड पर प्रभाव: वास्तव में 1950 और 1960 के दशक का भारतीय सिनेमा, परिवर्तन के दौर का सिनेमा था। पहले जहां नायिकाएं सादगी और पारंपरिक पहनावों तक सीमित रहती थीं, वहीं धीरे-धीरे आधुनिक परिधान, पश्चिमी फैशन और कहीं ज्यादा आत्मविश्वासी नायिका पर्दे पर दिखाई देने लगीं, जिसमें मर्लिन मुनरो के ग्लैमर का साफ-साफ असर देखा जा सकता है। भारतीय फिल्मों की नायिकाओं ने मर्लिन मुनरो से बहुत कुछ सीखा है और बहुत कुछ उनकी तरह बनने और ढलने की भी कोशिश की है। मर्लिन मुनरो की मुस्कान, कैमरे के सामने संवाद अदा करने का उनका अंदाज, बॉडी लैंग्वेज और फैशन ने भारतीय फिल्मकारों को यह एहसास कराया कि ग्लैमर भी अभिनय की भाषा का हिस्सा हो सकता है।

मर्लिन मुनरो से मधुबाला की तुलना: बॉलीवुड की जिस नायिका पर सबसे पहला और सबसे ज्यादा मर्लिन मुनरो का असर दिखा, वह मधुबाला थीं। उस दौर में अकसर मधुबाला की तुलना मर्लिन मुनरो से की जाती थी। दोनों ही असाधारण सुंदर थीं, दोनों के पास सहज मुस्कान का जबर्दस्त जादू था और दोनों ही कम उम्र में असमय मृत्यु को प्राप्त हुईं। हिंदी सिनेमा के दर्शक मधुबाला को मर्लिन मुनरो की तरह देखते थे। हालांकि दोनों की अभिनय शैली और फिल्मी यात्रा एक-दूसरे से बिल्कुल अलग थे। फिर भी यह सच है कि दोनों अपने-अपने देशों में सौंदर्य और आकर्षण का स्थाई प्रतीक बन गईं। मधुबाला की लोकप्रियता भारतीय सांस्कृतिक परिवेश में विकसित हुई, जबकि मर्लिन वैश्विक पॉप कल्चर की पहचान बनीं।

परवीन बॉबी-जीनत अमान पर प्रभाव: परवीन बॉबी की भी तुलना कई संदर्भों में मर्लिन मुनरो से की जाती है। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि अगर पश्चिमी ग्लैमर की सबसे साफ झलक बॉलीवुड की किसी अभिनेत्री में आजतक सबसे ज्यादा दिखी है, तो वह परवीन बॉबी ही थीं। 1970 और 1980 के दशक में उन्होंने भारतीय फिल्मों में आधुनिक, आत्मनिर्भर और फैशनेबल महिला की नई छवि प्रस्तुत की थी। पश्चिमी परिधान, खुले विचार और कैमरे के सामने सहज आत्मविश्वास ने उन्हें उस दौर की सबसे अलग अभिनेत्री बना दिया था। ऐसे ही जीनत अमान ने एक दौर में न सिर्फ बॉलीवुड अभिनेत्रियों की पारंपरिक परिभाषा को बदला था बल्कि वह भी पश्चिमी फैशन, मर्लिन मुनरो की तरह बड़े-बड़े धूप के चश्मे, स्टाइलिश गाउन पहनने और आत्मविश्वास से बॉलीवुड की सिने स्क्रीन को अपनी मौजूदगी से चौंधिया दिया था। हालांकि जीनत अमान या परवीन बॉबी के बारे में यह नहीं कह सकते कि वे सीधे-सीधे मर्लिन मुनरो को कॉपी करती थीं। इन दोनों ग्लैमरस एक्ट्रेसेस ने मुनरो से प्रेरणा तो ली थी, लेकिन उन्होंने अपना ग्लैमर भारतीय संदर्भों में विकसित किया था।

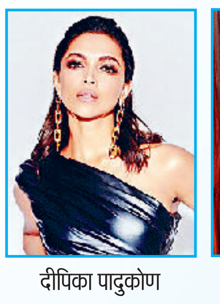

दीपिका पादुकोण

करीना कपूर

इन एक्ट्रेसेस पर भी दिखा असर: 1980-90 के दशक में श्रीदेवी ने ग्लैमर और अभिनय का वैसा ही संतुलन पेश किया था, जैसा कभी मर्लिन मुनरो ने हॉलीवुड में किया था। श्रीदेवी के अभिनय में उनका गजब का आकर्षण शामिल होकर उन्हें अद्वितीय बनाता था। बाद की पीढ़ियों में करीना कपूर, प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण भी अपने ग्लैमर के प्रदर्शन में मर्लिन मुनरो से प्रेरित दिखाई पड़ी हैं। *

ड्रेसिंग स्टाइल-फोटो शूट पर भी दिखा असर

बॉलीवुड में मर्लिन मुनरो का सबसे ज्यादा और गहरा प्रभाव किसी चीज पर पड़ा है, तो वह है कॉस्ट्यूम डिजाइन। यह अकारण नहीं है कि बॉलीवुड की हीरोइनों के बीच सफेद और आइवरी कलर के गाउन सबसे ज्यादा आकर्षण बिखेरते रहे हैं, जो कि मर्लिन मुनरो के सबसे ज्यादा पसंदीदा थे। मर्लिन मुनरो की तरह ही बॉलीवुड की अभिनेत्रियों ने हॉफ शोल्डर और हॉल्टर नेक ड्रेस को अपनी पहचान से बार-बार जोड़ा है। उन्हीं की तरह प्लेटिनम या हल्के सुनहरे बालों का प्रयोग, लाल लिपस्टिक, क्लासिक मेकअप तथा कैमरे की ओर हल्की मुस्कान के साथ पोज देने की शैली, ये सब कुछ बॉलीवुड की अभिनेत्रियों ने मर्लिन मुनरो से ही सीखा। ड्रेसिंग स्टाइल के अलावा फिल्म पत्रिकाओं में अनेक अभिनेत्रियों ने वैसे ही फोटो शूट कराए जैसे एक जमाने में मर्लिन मुनरो कराती थीं। घुमावदार रोशनी, क्लोज अप मुस्कान और क्लासिक हेयर स्टाइल, ये सभी प्रभाव बॉलीवुड में मर्लिन मुनरो से ही आए हैं। आज भी कई सेलिब्रिटी फोटो शूट पोज में ओल्ड हॉलीवुड थीम अपनाते हैं, जिसमें मर्लिन मुनरो की शैली सबसे खास होती है।